मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 297
रविवार, 17 मई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम: पीएम मोदी

नीदरलैंड, 16 मई। नरेंद्र मोदी ने नीदरलैंड के द हेग में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि आज का भारत अभूतपूर्व बदलाव के दौर से गुजर रहा है और उसकी आकांक्षाएं अब केवल अपनी सीमाओं तक सीमित नहीं रह गई हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब वैश्विक स्तर पर नेतृत्व की भूमिका निभाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

करीब 40 मिनट के संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, आज भारत कह रहा है कि हमें केवल परिवर्तन नहीं चाहिए, हमें सर्वश्रेष्ठ चाहिए और सबसे तेज गति चाहिए। जब आकांक्षाएं असीमित होती हैं तो प्रयास भी असीमित हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत अब ओलंपिक की मेजबानी करना चाहता है, वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनना चाहता है, हरित ऊर्जा में नेतृत्व करना चाहता है और दुनिया की विकास शक्ति बनना चाहता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल ही में भारत ने दुनिया के सबसे बड़े और सफल एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। इससे पहले G20 Summit का सफल आयोजन भी भारत की बढ़ती वैश्विक क्षमता का उदाहरण है।

उन्होंने बताया कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। पीएम मोदी ने कहा कि 2014 में भारत में केवल चार यूनिकॉर्न कंपनियां थीं, जबकि अब लगभग 125 सक्रिय यूनिकॉर्न कंपनियां काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय स्टार्टअप अब एआई, रक्षा, अंतरिक्ष और नवाचार के क्षेत्रों में उल्लेखनीय काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने हालिया विधानसभा चुनावों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत का लोकतंत्र लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में 80 से 90 प्रतिशत तक मतदान हुआ, जबकि

महिलाओं की भागीदारी भी लगातार बढ़ रही है।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने मौजूदा वैश्विक हालात पर भी गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक अस्थिरता और भू-राजनीतिक तनावों के दौर से गुजर रही है। Vienna को सिटी ऑफ पीस बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यदि दुनिया ने समय रहते हालात नहीं संभाले तो पिछले कई दशकों की उपलब्धियां व्यर्थ हो सकती हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है और दुनिया को विकास बनाम विनाश के बीच चुनाव करना होगा।

प्रधानमंत्री ने हल्के अंदाज में विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने लोगों से पूछा कि क्या झालमुड़ी अब हेग तक पहुंच गई है। इसे राजनीतिक हलकों में विपक्षी दलों पर तंज के तौर पर देखा जा रहा है। नीदरलैंड के ट्यूलिप फूल का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत कमल के लिए प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा, ट्यूलिप और कमल दोनों हमें सिखाते हैं कि जड़ें चाहे पानी में हों या धरती में, सुंदरता और शक्ति दोनों प्राप्त की जा सकती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि India और Netherlands वैश्विक मंचों पर मिलकर काम कर सकते हैं। उन्होंने व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कंटेनर में जा घुसी तेज रफ्तार कार, दंपति समेत 5 की दर्दनाक मौत

आजमगढ़, 16 मई। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के कंधरापुर इलाके के पास शनिवार को एक तेज रफ्तार कार के एक कंटेनर से टकराने के कारण दंपति सहित पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह हादसा पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सियरहा गांव के पास हुआ, जब कार आगे चल रहे कंटेनर से टकरा गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कंधरापुर और कोतवाली थानों की पुलिस के साथ उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) की राहत टीम मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला। अपर पुलिस अधीक्षक (यातायात) पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि मृतक सभी लोग हरियाणा के निवासी थे

और उनकी पहचान स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कार तेज रफ्तार में थी और चालक संभवतः आगे चल रहे कंटेनर को देख नहीं सका, जिसके कारण यह हादसा हुआ। घटना स्थल का वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने भी निरीक्षण किया तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि मृतकों के परिजनों से संपर्क करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे क्रॉसिंग पर खड़ी बस से टकराई मालगाड़ी; लग गई भीषण आग, 8 लोगों की मौत व 20 घायल

बैंकॉक, 16 मई। बैंकॉक में शनिवार को एक दर्दनाक रेल हादसे में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग घायल हो गए। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हादसा शहर के मध्य क्षेत्र में स्थित एयरपोर्ट रेल लिंक स्टेशन के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के मुताबिक, रेलवे क्रॉसिंग पर कई वाहन रुके हुए थे। इसी दौरान तेज रफ्तार मालगाड़ी सामने खड़ी नारंगी रंग की सार्वजनिक बस से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रेन बस को काफी दूर तक घसीटते हुए ले गई। इस दौरान आसपास खड़े कई अन्य वाहन भी ट्रेन की चपेट में आ गए।

हादसे के तुरंत बाद बस में आग लग गई और देखते ही देखते वह

आग का गोला बन गई। वीडियो में कई मोटरसाइकिल सवारों को सड़क पर गिरते और उछलते हुए देखा गया। घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों की चीख-पुकार सुनाई देने लगी। Erawan Medical Center के अनुसार, हादसे में कम से कम आठ लोगों की मौत हुई है और 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद बचाव दल जली हुई बस के भीतर पहुंचे और घायलों को बाहर निकाला। हादसे के कई वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें ट्रेन को बस से टकराते और फिर बस में आग लगते देखा जा सकता है।

22 लाख बच्चों के साथ धोखा हुआ, नीट केस पर भड़के राहुल गांधी

नई दिल्ली, 16 मई। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी' में कथित अनियमितता से जुड़े मामले को लेकर शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल बर्खास्त करें या खुद जवाबदेही स्वीकार करें। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि यह मामला भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विभिन्न संस्थाओं में बैठे इनसे जुड़े लोगों के बीच पैसे बनाने के लिए की गई साठगांठ का मामला है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा, नीट के 22 लाख बच्चों के साथ धोखा हुआ है। पर मोदी जी एक शब्द भी नहीं बोल रहे। धर्मेंद्र प्रधान जी को अभी हटाइए, या जवाबदेही खुद लीजिए। राहुल गांधी ने वीडियो में कहा कि 22 लाख छात्रों ने दो साल तक जीतोड़ मेहनत की और

उनकी सारी मेहनत बर्बाद हो गई। उन्होंने कहा, पूरा देश जानता है कि परीक्षा से दो दिन पहले नीट का पेपर व्हाट्सऐप पर बांटा गया। देश के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान कहते हैं कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। राहुल गांधी ने दावा किया कि प्रधान ने संसद की शिक्षा संबंधी स्थायी समिति की सिफारिश को कूड़ेदान में फेंक दिया और यह कहा था कि इस समिति में विपक्ष के लोग बैठे हैं, ऐसे में इन सिफारिशों का कोई मतलब नहीं है।

उन्होंने दावा किया कि प्रधान ने देश की शिक्षा व्यस्था के मूल स्वरूप को नुकसान पहुंचाया है। राहुल गांधी ने यह आरोप भी लगाया, ₹केंद्र में, आरएसएस-भाजपा और उनके सहयोगियों–विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्रोफेसरों–के बीच पैसे कमाने का यह गठजोड़ मौजूद है। इन्होंने हिंदुस्तान की शिक्षा व्यवस्था को नष्ट कर दिया है। राहुल गांधी ने कहा, पूरा देश जानता है कि यदि आप किसी विश्वविद्यालय का कुलपति बनना चाहते हैं, तो आपको विषय का ज्ञान और अनुभव रखने की कोई जरूरत नहीं है। यदि आप आरएसएस से जुड़े हैं, तो कुलपति बन सकते हैं, लेकिन आपकी विचारधारा आरएसएस की नहीं है, तो आप कुलपति नहीं बन सकते।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने दावा किया कि पिछले कुछ वर्षों में अलग-अलग परीक्षाओं के 80 बार पेपर लीक हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को अपने शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करना चाहिए और यह निर्देश देना चाहिए नीट पेपर लीक मामले में दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा हो।

इससे पहले, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मोदी मोदी सरकार में अमृत काल भर्ती-परीक्षा के छात्रों के लिए मृत काल साबित हो रहा है और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि अब प्रधानमंत्री को चुप्पी तोड़नी चाहिए और परीक्षा-लीक पर चर्चा करनी चाहिए। खरगे ने कहा, मोदी जी परीक्षा-लीक पर चर्चा कीजिये, चुप रहने से कुछ नहीं होगा।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शिक्षा संबंधी संसद की स्थायी समिति का उल्लेख करते हुए यह दावा भी किया कि समिति की सिफारिशों को मानने से इनकार कर-के मंत्री ने संसद की बहुदलीय परंपराओं को खारिज किया है। रमेश ने कहा, प्रधानमंत्री अपने वार्षिक परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का बड़े गर्व के साथ व्यापक प्रचार करते हैं। लेकिन आज समय की मांग परीक्षा की समीक्षा है। शिक्षा मंत्री इस जिम्मेदारी के लिए उपयुक्त नहीं दिखाई देते।

'धमकी और भड़काऊ भाषण' देने पर अभिषेक बनर्जी पर एफआईआर

कोलकता, 16 मई। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ भाषण देने के आरोप में पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज किए जाने के बाद टीएमसी सांसद डोला सेन ने विश्वास व्यक्त किया कि सत्य और न्याय की जीत होगी। सेन की टिप्पणियों से एक दिन पहले, 15 मई को बिधाननगर उत्तर साइबर अपराध पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी। इसमें आरोप लगाया गया है कि बनर्जी ने राजनीतिक रैलियों और चुनाव प्रचार के दौरान भड़काऊ, धमकी भरे और उत्तेजक भाषण दिए, जिससे हिंसा भड़की, शत्रुता को बढ़ावा मिला और जन शांति भंग हुई।

शिकायतकर्ता, राजीव सरकार ने मार्च और अप्रैल के बीच महेशतला, आरामबाग, हरिंघाटा और नंदीग्राम में बनर्जी द्वारा दी गई रैलियों के भाषणों का जिक्र किया, जिनमें उन्होंने कथित तौर पर विपक्षी कार्यकताओं को धमकी दी और आक्रामक भाषा का प्रयोग किया जिससे सार्वजनिक अव्यवस्था और राजनीतिक अशांति पैदा होने की संभावना थी। बताया जाता है कि ये टिप्पणियां बनर्जी के आधिकारिक फेसबुक हैंडल, 'अभिषेक बनर्जी ऑफिशियल' और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से की गई थीं।

पत्रकारों से बात करते हुए सेन ने कहा कि अंतिम फैसला हमेशा न्याय, सत्य और जनता के हाथ में होता है। इसलिए, हम दृढ़ता से मानते हैं कि इस मामले में भी अंतिम फैसला सत्य, न्याय और आम जनता के पक्ष में ही होगा।

नशे के सौदागरों की अब खैर नहीं: अमित शाह

नई दिल्ली, 16 मई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने पहली बार 182 करोड़ रुपये मूल्य की कैप्टागन टैबलेट जब्त की हैं, जिसे उन्होंने ₹जिहादी ड्रग₹ बताया। शाह ने एक्स पर कहा कि एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया और ऑपरेशन रेजपिल के तहत पश्चिम एशिया के लिए भेजी जा रही इस खेप को जब्त किया गया। मुंद्रा बंदरगाह और दिल्ली के नेब सराय से नशीले पदार्थ जब्त किए गए। सीरियाई

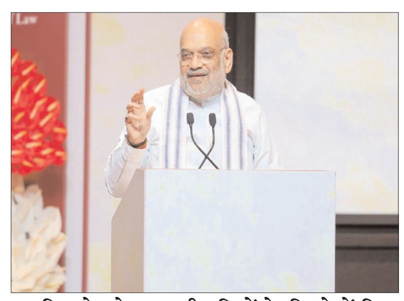

नागरिक ने इसे चाय की पत्तियों के डिब्बे में छिपा रखा था। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के अनुसार, मुंद्रा बंदरगाह पर यह ऊन की खेप के रूप में घोषित एक कंटेनर में आया था।

एक्स के बारे में जानकारी देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार नशा मुक्त भारत के लिए प्रतिबद्ध है। यह बताते हुए खुशी हो रही है कि ऑपरेशन रेजपिल के माध्यम से हमारी एजेंसियों ने पहली बार कैप्टागन, जिसे तथाकथित जिहादी नशीले पदार्थ कहा जाता है, 182 करोड़ रुपये मूल्य की जब्त की है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch: 101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch: Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW: 7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

वैश्विक संकटों के दौर में परिवार ही रिश्तों की अंतिम शरणस्थली

-ललित गर्ग

हर वर्ष 15 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस एक मानवीय रिश्तों का उत्सव ही नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को उसकी जड़ों की याद दिलाने का अवसर है। यह दिन हमें बताता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक, तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित क्यों न हो जाए, मनुष्य की सबसे पहली जरूरत आज भी परिवार ही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस इस वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरी दुनिया बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, युद्ध, हिंसा, मानसिक तनाव, अकेलेपन और टूटते मानवीय विश्वासों के संकट से गुजर रही है। ऐसे कठिन समय में परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व, सुरक्षा, संस्कार और संवेदनाओं की सबसे मजबूत छत बनकर सामने आता है।

आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजार की चकाचौंध ने आदमी को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सकी। संबंधों में स्वार्थ का प्रवेश हुआ है। विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। आदमी मशीनों से जुड़ रहा है, लेकिन अपनों से कटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे परिवारों के भीतर भी दिखाई देने लगे हैंकृपति-पत्नी के बीच, पीढ़ियों के बीच, भाई-भाई के बीच। संवाद टूट रहे हैं, सहनशीलता घट रही है और मैं का अहंकार हम की भावना को निगलता जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में परिवार की भूमिका पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, वह जीवन-मूल्यों का विद्यालय है। वहीं मनुष्य पहली बार प्रेम सीखता है, त्याग सीखता है, सहयोग, अनुशासन, धैर्य और सह-अस्तित्व की भावना सीखता है। यदि परिवार स्वस्थ है तो समाज स्वस्थ होगा, समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र और विश्व भी संतुलित रहेंगे। इसलिए आज आवश्यकता केवल परिवार बचाने की नहीं, बल्कि परिवारों को मूल्यनिष्ठ बनाने की है।

आज जब महंगाई लगातार बढ़ रही है, जीवन की आवश्यकताएं महंगी होती जा रही हैं और बेरोजगारी युवाओं के सपनों को तोड़ रही है, तब संयुक्त परिवार की अवधारणा फिर प्रासंगिक बनती दिखाई दे रही है। संयुक्त परिवार केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का भी आधार है। वहां संसाधनों का साझा उपयोग होता है, जिम्मेदारियां बांटी

जाती हैं और संकट अकेले व्यक्ति पर नहीं टूटता। अकेलेपन से उपजी अवसाद की समस्याएं संयुक्त परिवारों में अपेक्षाकृत कम दिखाई देती हैं क्योंकि वहां संवाद और अपनापन जीवित रहता है। वास्तव में आधुनिक सभ्यता ने स्वतंत्रता तो दी, लेकिन उस स्वतंत्रता ने कई बार व्यक्ति को संबंध-विहीन भी बना दिया। महानगरों के छोटे-छोटे फ्लैटों में रहने वाले हजारों लोग आर्थिक रूप से संपन्न होकर भी भीतर से बेहद अकेले हैं। वृद्ध माता-पिता उपेक्षा के शिकार हैं, बच्चे संस्कारों से दूर हो रहे हैं और पति-पत्नी के बीच संबंधों की ऊष्मा कम होती जा रही है। यही कारण है कि मानसिक रोग, तनाव, असुरक्षा और आत्महत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, परिवार संस्था के कमजोर पड़ने का संकेत है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवार को केवल उपभोग और सुविधा का केंद्र न बनाकर उसे झ्अहिंसा की प्रयोगशालाझ् बनाया जाए। अहिंसा का अर्थ केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाना नहीं है। कठोर शब्दों से बचना, अपमान न करना, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, क्रोध पर संयम रखना, संवाद बनाए रखना और क्षमा का अभ्यास करना भी अहिंसा है। यदि परिवार के भीतर हिंसक भाषा, कटुता, अपमान और असहिष्णुता होगी तो समाज में शांति की कल्पना कैसे की जा सकती है? परिवार वह पहला स्थान होना चाहिए जहां बच्चा सहिष्णुता और करुणा का पाठ सीखे। जहां उसे यह सिखाया जाए कि जीवन प्रतियोगिता नहीं, सह-अस्तित्व है। जहां बुजुर्ग बोझ नहीं, अनुभवों की धरोहर माने जाएं। जहां स्त्री को सम्मान मिले, बच्चों को संस्कार मिले और युवाओं को विश्वास मिले। आज दुनिया में बढ़ती हिंसा का एक बड़ा कारण यह भी है कि परिवारों में संवाद और संवेदना कमजोर हो रही है। बच्चे मोबाइल से बातें कर रहे हैं, लेकिन माता-पिता से नहीं। परिवार साथ रहते हुए भी भीतर से बिखर रहा है। जलवायु परिवर्तन, युद्ध और आर्थिक अस्थिरता ने पूरी दुनिया को असुरक्षित बना दिया है। यूक्रेन-रूस युद्ध हो या पश्चिम एशिया के संघर्ष, इन सबका सबसे अधिक प्रभाव परिवारों पर ही पड़ता है। लाखों लोग विस्थापित हो जाते हैं, बच्चे अनाथ हो जाते हैं और महिलाएं असुरक्षा का सामना करती हैं। इन वैश्विक संकटों के बीच परिवार ही वह शक्ति है जो टूटे हुए मनुष्य को फिर जीने का साहस देती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र इस वर्ष परिवार-केंद्रित नीतियों पर विशेष बल दे रहा है। क्योंकि सतत विकास केवल आर्थिक विकास से संभव नहीं, बल्कि मजबूत और मूल्यनिष्ठ परिवारों से ही संभव है।

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति भी उसका परिवार तंत्र रहा है। यहां परिवार केवल सामाजिक व्यवस्था नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्था है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य केवल युद्ध कथाएं नहीं, बल्कि पारिवारिक मूल्यों, संबंधों, कर्तव्यों और त्याग की महान गाथाएं हैं। भारतीय जीवनदृष्टि वसुधैव कुटुम्बकम की बात करती हैकृअर्थात पूरी पृथ्वी ही परिवार है। यदि इस भावना को व्यवहार में उतारा जाए तो युद्ध, हिंसा, आतंक और घृणा की कोई जगह नहीं बचेगी। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आज परिवारों में भी उपभोक्तावादी संस्कृति प्रवेश कर चुकी है। रिश्तों को भी लाभ-हानि के तराजू पर तौला जाने लगा है। सहनशीलता कम हो रही है और अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। छोटी-छोटी बातों पर टूटते संबंध इस बात का संकेत हैं कि हमने सुविधा तो बढ़ाई, लेकिन संवेदना खो दी। जबकि परिवार की असली ताकत संपत्ति नहीं, बल्कि विश्वास होता है। जहां विश्वास बचा रहता है, वहां अभाव भी उत्सव बन जाते हैं, और जहां विश्वास टूट जाता है, वहां वैभव भी बोझ बन जाता है। आज परिवारों को नई दिशा देने की आवश्यकता है। घरों में सामूहिक भोजन की परंपरा लौटे, संवाद का समय तय हो, बुजुर्गों के अनुभवों को महत्व मिले, बच्चों को केवल करियर नहीं बल्कि चरित्र निर्माण की शिक्षा मिले। परिवारों में क्रोध के स्थान पर करुणा, प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग और अधिकार के स्थान पर कर्तव्य की भावना विकसित करनी होगी। यही परिवार को अहिंसा की प्रयोगशाला बना सकता है। दरअसल, भविष्य की सबसे बड़ी लड़ाई हथियारों की नहीं, मूल्यों की होगी। जिस समाज के परिवार टूट जाएंगे, वहां सामाजिक स्थिरता भी नहीं बचेगी। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। हमें सोचना होगा कि हम अपने बच्चों को कैसी दुनिया देना चाहते हैंकृघृणा और अकेलेपन की दुनिया या प्रेम और विश्वास की दुनिया? यदि परिवारों में प्रेम, संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और साझेदारी का वातावरण बनेगा तो दुनिया के बड़े से बड़े संकटों का सामना किया जा सकता है। परिवार केवल एक सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा का आश्रय है। वह जीवन की तपती धूप में शीतल छांव है, संघर्षों में सहारा है और टूटते विश्वासों के बीच उम्मीद की अंतिम किरण है। इसलिए आज सबसे बड़ी जरूरत हैकृपरिवार को बचाने की नहीं, परिवार के भीतर मानवीय मूल्यों को बचाने की। यही मानवता का भविष्य सुरक्षित करेगा और यही अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस का वास्तविक संदेश भी है।

जेनेरिक दवाओं का गोरखधंधा

अशोक भाटिया

मैंने डॉक्टर की लिखी दवा पैनम डी अपने मेडिकल स्टोर से खरीदी तो वह छपे भाव में मिली और उसे ही जेनेरिक रूप में ऑन लाइन मंगवाई तो 51 % कम में मिली यानि वह जेनेरिक थी । एक ही दवा को लेकर अलग - अलग जेनेरिक दवाइयों की दुकान पर गया। मैंने पाया कि एक ही दवा अलग -अलग दुकान पर अलग-अलग नामों से व भावों से बिक रही है। डायबिटीज में काम आने वाली दवा - इनवोकाना का भाव 690 रुपया था उसके बन्द होने के बाद उसी साल्ट की जेनेरिक दवाई अनेक नामों से आने लगी । उनमें भी भाव 690 के लगभग ही लिखा होता है , अब अलग अलग विक्रेता उसे 230 से लेकर 350 तक बेचते है । यह लेखक का स्वयं का अनुभव है । यही नहीं 20 रुपये की दवा की कीमत भी 80 रूपया लिखा होता है। यह तो 1 -2 अनुभव लिखे है पर ऐसे कई केस पता करने में पता करने पर पाया कि जेनेरिक दवाओं के प्रिंट रेट यानी इन दवाओं पर छपने वाली कीमत पर कोई नियंत्रण नहीं है।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के जरिये देश के सभी तबकों के नागरिकों के लिए समुचित चिकित्सा की उपलब्धता सुनिश्चित करने का इरादा केंद्र सरकार पहले ही जता चुकी है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जनसंवाद कार्यक्रम मन की बात में जेनेरिक दवाओं के संबंध में कुछ बातें कही थीं। अब उन्होंने एक अस्पताल के उद्घाटन कार्यक्रम के अवसर पर इस संबंध में कानून लाने का संकेत दिया है। उन्होंने कहा, डॉक्टर उपचार के दौरान इस तरह से पर्चे पर लिखते हैं कि गरीब लोग उनकी लिखावट को नहीं समझ पाते हैं और फिर लोगों को निजी स्टोर से अधिक कीमत पर दवाएं खरीदनी पड़ती हैं। हम एक ऐसा कानूनी ढांचा लाएंगे जिसके तहत अगर कोई डॉक्टर पर्चा लिखता है, तो उसे ऐसे लिखना होगा कि मरीज जेनेरिक दवाएं खरीद सकें और उन्हें कोई अन्य दवा न खरीदनी पड़े। पर देखा गया है कि ऐसा होता नहीं है .

सरकार मरीजों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करवाने के लिए कानून में संशोधन करके डॉक्टर्स को मरीजों के लिए सिर्फ जेनेरिक दवा लिखना चाहिए न कि किसी विशेष ब्रांड या कंपनी की। इसके बाद भी मरीजों को सस्ती दवाएं मिलने लगेंगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है, क्योंकि जेनेरिक दवाओं के प्रिंट रेट यानी इन दवाओं पर छपने वाली कीमत पर कोई नियंत्रण नहीं है। आईएमए के सदस्य और मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर डॉक्टर हेमंत जैन ने भास्कर बताते है कि ब्रांडेड मेडिसिन पर फार्मासिस्ट को 5 से 20 प्रतिशत तक कमीशन मिलता है, पर जेनेरिक मेडिसिन की प्रिंट रेट और रीटेलर की खरीद कीमत में 50 गुना से 350 गुना तक का अंतर होता है। 10 पैसे की बी कॉम्प्लेक्स 35 रुपए तक में बिकती है। इसका आम जनता या मरीजों को उतना फायदा नहीं मिलता, जितना मिलना चाहिए। ऐसे में सरकार को जेनेरिक मेडिसिन के प्रिंट रेट पर भी लगाम लगाने की जरूरत है, वरना जनता को कोई फायदा नहीं होने वाला। आम तौर पर सभी दवाएं एक तरह का \केमिकल सॉल्ट\ होती हैं। इन्हें शोध के बाद अलग-अलग बीमारियों के लिए बनाया जाता है। जेनेरिक दवा जिस सॉल्ट से बनी होती है, उसी के नाम से जानी जाती है। जैसे- दर्द और बुखार में काम आने वाले पैरासिटामोल सॉल्ट को कोई कंपनी इसी नाम से बेचे तो उसे जेनेरिक दवा कहेंगे। वहीं, जब इसे किसी ब्रांड जैसे- क्रोसिन के नाम से बेचा जाता है तो यह उस कंपनी की ब्रांडेड दवा कहलाती है। चौंकाने वाली बात यह है कि सर्दी-खांसी, बुखार और बदन दर्द जैसी रोजमर्रा की तकलीफों के लिए जेनरिक दवा महज 10 पैसे से लेकर डेढ़ रुपए प्रति टैबलेट तक में उपलब्ध है। ब्रांडेड में यही दवा डेढ़ रुपए से लेकर 35 रुपए तक पहुंच जाती है।

खबर है कि सरकार की तरफ से अधिकारियों को इस संबंध में कानून बनाने के लिए कहा गया है। हालांकि प्रस्तावित कानून कैसा होगा और कब इसका मसौदा सामने आएगा, यह अभी साफ नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि प्रस्तावित कानून में जेनेरिक दवाएं न लिखने वाले डॉक्टरों पर सख्ती के प्रावधान किए जाएंगे। बहरहाल, इतना तो तय है कि सरकार जेनेरिक दवाओं का चलन बढ़ाने और महंगी दवाओं के जरिये अनुचित लाभ कमाने वाले डॉक्टरों, दवा-कंपनियों और विक्रेताओं पर लगाम लगाने के लिए कमर कस रही है। यहां यह समझना जरूरी है कि जेनेरिक दवा क्या होती है। दरअसल, कोई भी दवा कंपनी जब किसी दवा को बनाती है, तो उसका एक यौगिक (फामूर्ला) होता है जिसका सर्वाधिकार बीस वर्ष तक उसी कंपनी के पास सुरक्षित रहता है। मतलब यह कि बीस वर्ष तक उस दवा को केवल वही कंपनी बना सकती है, जिसने उसके यौगिक की रचना की है। बीस वर्ष के बाद दवा के फामूर्ले को सार्वजनिक कर दिया जाता है और तब उसके अनुसार कोई भी कंपनी उस दवा को बनाने के लिए स्वतंत्र होती है। सार्वजनिक फामूर्ले के तहत बनने वाली दवा ही जेनेरिक दवा कहलाती है। फामूर्ला सार्वजनिक होने के कारण जेनेरिक दवाएं सस्ती होती हैं। जबकि जो फामूर्ला सार्वजनिक नहीं होता, उससे निर्मित दवाएं केवल एक कंपनी द्वारा बनाए जाने के कारण, बाजारी प्रतिस्पर्धा के अभाव में, काफी महंगी मिलती हैं। उदाहरण के तौर पर, सामान्य बुखार के लिए प्रयुक्त होने वाली दवा पैरासिटामाल एक जेनेरिक दवा है, इस नाते बाजार में यह सब जगह इसी एक नाम से मिलती है और इसकी कीमत भी काफी कम होती है। मगर, इसी केजैसे प्रभाव वाली बुखार की दूसरी कई दवाएं जेनेरिक न होने के कारण इससे महंगी मिलती हैं। यह तो सामान्य बुखार की दवाओं की बात है, बड़ी-बड़ी बीमारियों में प्रयुक्त होने वाली जेनेरिक और गैर-जेनेरिक दवाओं की कीमतों के बीच तो कई गुने का अंतर देखने को मिलता है।

दरअसल, अब समस्या यह है कि जब कोई व्यक्ति डॉक्टर के पास जाता है, तो प्रायः वह सस्ती जेनेरिक दवाएं लिखने के बजाय समान प्रभाव वाली महंगी गैर-जेनेरिक या ब्रांडेड दवाएं लिख देता है। साथ ही, अक्सर हर डॉक्टर अपनी जान-पहचान के दो-एक दवा-विक्रेताओं के नाम भी सुझाते हुए वहीं से दवा लेने की सलाह दे डालता है। मरीज जो डॉक्टर को अपना भगवान माने बैठे होता है, वह बिना कोई सवाल-जवाब किए डॉक्टर की बताई हुई जगह से दवा खरीद लेता है। अब उस दवा-विक्रेता से डॉक्टर का कमीशन तय होता है। जितने अधिक मरीज डॉक्टर उस दवा-विक्रेता के पास भेजता है, डॉक्टर को कमीशन के रूप उतनी ही अधिक प्राप्ति होती है। दवा बनाने वाली कंपनी से लेकर डॉक्टरों और दवा-विक्रेताओं की मुनाफाखोरी के इस पूरे मकड़जाल में मरीज उलझ कर रह जाता है और उसे कुछ पता भी नहीं चलता कि माजरा क्या है। जो दवाएं उसे काफी कम कीमत में मिल सकती हैं, जानकारी के अभाव में वह उन दवाओं के लिए अधिक कीमत दे आता है। प्रायः मरीज इन सब विषयों में डॉक्टरों से कुछ सवाल भी नहीं कर पाते, लेकिन अगर किसी जागरूक व्यक्ति ने कभी गैर-जेनेरिक दवाओं को लेकर कोई सवाल कर दिया और जेनेरिक दवा लिखने की मांग कर दी, तो डॉक्टर नाराज हो जाते हैं। उनका कहना होता है कि उन्होंने जो दवा लिखी है वही फायदेमंद है और अगर मरीज ने अपने मन से दवा ली तो उसके हानि-लाभ का जिम्मेदार वह खुद होगा। इस तरह की बातों के बाद मरीज अक्सर डर जाते हैं और डॉक्टर के एक-एक निर्देश का अनुपालन करते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि इस तरह मरीजों का भयादोहन करके डॉक्टर और दवा-विक्रेता पूरी सांठगांठ से दवाओं की मुनाफाखोरी का बड़ा गोरखधंधा चला रहे हैं।

वैसे, जेनेरिक दवाओं को लेकर जमीनी स्तर पर लंबे समय से काम कर रहे स्वास्थ्य कार्यकर्ता आशुतोष कुमार सिंह एक अलग ही समस्या की तरफ ध्यान आकर्षित करते हैं। उनका कहना है कि देश में नब्बे प्रतिशत दवाएं जेनेरिक हैं, मगर उन्हें ब्रांडेड के रूप में बेचा जा रहा है। सरकार को इस तरह की धोखाधड़ी बंद करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है।

अब सरकार अगर जेनेरिक दवाओं के लिए कोई कानून लाती है, तो उसे उपर्युक्त सभी बातों पर विचार करना होगा। मोटे तौर पर संभावित कानून में कुछ ऐसे प्रावधान किए जाने चाहिए। पहला, यह कि जो भी दवा जेनेरिक हो, उस पर मोटे अक्षरों में जेनेरिक लिखा रहे। दूसरा, डॉक्टर मरीज को यदि कोई दवा बाहर से लिखते हैं, तो अपनी अबूझ लिखावट के बजाय साफ-साफ शब्दों में लिखें जिसे मरीज भी पढ़ सकें। इसके अलावा यह प्रावधान भी किया जा सकता है कि यदि किसी बीमारी की जेनेरिक दवा होते हुए भी डॉक्टर उसके लिए गैर-जेनेरिक दवा लिखते हैं, तो उसका कारण भी स्पष्ट करें।जेनेरिक दवाइयों पर वास्तविक मूल्य छापने का प्रावधान होना चाहिए .

दवा-विक्रेताओं के लिए जेनेरिक दवाएं रखना आवश्यक किया जाए। और जो इन नियमों का पालन न करे, उसके लिए कठोर सजा का प्रावधान हो। इसके अलावा और भी अनेक प्रावधान किए जा सकते हैं। लेकिन यह सब कुछ तभी कारगर और प्रभावी होगा जब आम लोगों में इस संबंध में जागरूकता आएगी; उन्हें जेनेरिक और गैर-जेनेरिक दवाओं का मतलब और इनके बीच का अंतर पता होगा। इस दिशा में जागरूकता अभियान चलाए जाने की जरूरत है। आम लोगों तक सरल भाषा में जेनेरिक और गैर-जेनेरिक दवाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए कुछ व्यवस्था बनाने पर भी विचार किया जा सकता है। इस तरह की लघु पुस्तिकाएं आदि वितरित की जा सकती हैं। इसके अलावा, जेनेरिक और गैर-जेनेरिक दवाओं के संबंध में जागरूकता के लिए और भी हरसंभव प्रयत्न सरकार को करने चाहिए।

कला और कलाकार के अतृप्त होने का रहस्य

-आत्माराम यादव पीव वरिष्ठ पत्रकार

यह जगत एक रंगमंच है और दुनिया में पैदा होने वाला हर इन्सान एक कलाकार है जो जगतरूपी रंगमंच पर अपना अभिनय करने आया है इसलिए उसमें 64 कलाओं में कुछेक कलाए कूट-कूट के भरी होती है, सच कहा जाए तो कला, प्रत्येक जीवात्मा की आत्मा का आविर्भाव ही है जहाँ जीवन का अनुपम और अमूल्य अंग के रूप में कलाकर पोषण पाता है। कुछ लोग जीवन को प्रभुप्रदत्त उपहार समझने में सार्थकता अनुभव करते है, और कुछ लोग जीबन को एक भार समझकर जीने को लाचारी मानते हैं। इसभेदपूर्ण भावना का कारण कला ही जिसमें जो जीवन के उजले पक्ष में आकाश की ऊँचाइयों को छू लेता है वह कला को सम्पूर्ण भाव से जीने की सार्थकता सिद्ध कर देता है किन्तु जो स्वयं के जीवन में कला को पोषण करने की बजाय आलस्य-प्रमाद में अपनी प्रतिभा को दमित कर अभिशाप स्वीकार करता है वह न तो कला को समझ पाता है और न ही कलाकार की भावना को सम्मान न दे सकने से अपूर्णता का पर्याय बन असफलता की अन्तरंग गहराइयों में डूब जाता है।

वर्ष 1970 में मेरे बचपन की शुरूआत की स्मृति का संस्मरण से बात करना चाहूँगा जब पहली बार मुझे कला और कलाकार को बोध हुआ था। तब गणेश कला मंडल मालाखेडी होशंगाबाद के संचालक दुर्गाप्रसाद त्रिपाठी जी लालटेन झ्गैसबत्ती की रोशनी में होशंगाबाद-हरदा जिले के कई बड़े जनपदों में 50-60 कलाकारों की टीम से रामलीला और नाट्यकला की प्रस्तुतियाँ करते और यह कलाकारों का मंडल एक परिव्राजक के रूप में अपनी कला और कलाकारों के लिए विख्यात था। मैंने धनुषयज्ञ में सीता जी के अभिनय से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया और देखते ही देखते राजा हरिश्चंद, राजा मोरध्वज, चंद्रहास, रुपबसंत जैसे अनेक एतिहासिक नाटकों में कोई भी पात्र का अभिनय करने में पारंगत हो चूका था। तब मेरे बाल्य से किशोर होते जीवन में अभिनय कला धर्म के रूप में प्रतिष्ठित हो चुकी थी, इस एकलौती कला के द्वारा संसार के समस्त सुख ऐश्वर्य सहज ही प्राप्त किये जा सकते थे किन्तु तब अभिनय कला के लक्ष्य के रूप में सिनेमा पटल ही सबको आकर्षित करता था पर सिनेजगत में अपनी कला को विस्तारित कर स्थान पाना एक आम हैसियत के व्यकित के लिए एक सपना ही होने से जीवन में आए अभिनयकला को विदा कर कला और कलाकार से मैंने तो मुक्ति पा ली।

जीवन में प्रगति लाना इन 64 कलाओं का धर्म है ओर यह धर्म मैंने वर्ष 1982 में कलाकार के रूप में नहीं बल्कि हिन्दी इंग्लिश टायपिंग परीक्षा उत्तीर्ण कर टायपिंग-कला अर्थात विद्या के अन्य स्वरूप द्वारा ही जीवन में टायपिस्ट के रूप में सजीव कला के साथ विस्तार-विकास पाने में सफल हुआ। टायपिंग कला से अपने जीवन का मूल्य और मुल्यांकन सर्वविदित होने के पश्चात मैंने इससे प्रगति और मानवता के मूल कारणों का पूर्ण रहस्य भी इस कला में पूर्णता के रूप में पत्रकारिता में निहित पाया। तत्समय पत्रकारिताकला की निर्मलता और पवित्रता का प्रभाव समाज में एक विश्वास के रूप में स्थापित हो चूका था। मैंने दैनिक भास्कर में 1983 से प्रूप रीडर की शुरूआत कर टेलीप्रिंटर की भाषा को सुसज्जित कर पत्रकारिता में प्रबेश किया। पत्रकारिता की निर्मल और पावनता का सानिघ्य द्वारकाप्रसाद जी अग्रवाल से पाया और देशबंधु के संस्थापक दिग्गज संपादक मायाराम सुरजन, पलाश सुरजन के भोपाल संस्करण, दैनिक भास्कर की सम्पादकीय टीम महेश श्रीवास्तवजी, ओमप्रकाश व्यवहार, कैलाश गौड़, भरत सक्सेना, जगत पाठक, ह्यस्वदेश कुलह्ल की वैचारिक पत्रकारिता के ह्यकुलपतिह्ल हैं वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र शर्मा, दैनिक नईदुनिया के प्रबंध सम्पादक राजेन्द्र तिवारी सहित हिन्दुस्थान समाचार एजेंसी के प्रधान संपादक आरके सिन्हा जैसे वटवृक्ष की छाया में पल्लवित हुआ तभी इन मनीषियों से सीखी पत्रकारिता में विशुद्ध कला के आविर्भाव के दर्शन किये।

यह अकाट्य सत्य है कि कला-हीन जीवन वेग विरहित हो जाता है। किसी भी कला और उसके साधक की सतत साधना में जीवन की सार्थकता सिद्ध है, इसीलिए कलाकार एक साधक ही है जो अपनी कला में आत्मलीन होने के कारण आत्मदर्शी होता है। पत्रकारिता की कला को संपूर्णता से जानना और उसकी साधना करना आज भी मेरे लिए संभव नहीं हो सका, इसलिए इस क्षेत्र में जो आत्मवंचना करता है वह स्वंय के लिए वैचारिक रूप से अपनी कमियों को उजागर करने में पीछे नही होता है। पत्रकारिता को किसी भी कीमत पर नीलाम करने या उसका मोलभाव करने वाले व्यक्ति का चरित्र भी उतार-चढ़ाव की कसौटी पर तौला जाता है और उसे पत्रकार का नहीं व्यवसायी का दर्जा मिलता है। जीवन में किसी भी कला में पारंगत कलाकार अगर कला को व्यवसाय का साधन बना ले तो वह कला, कलाकार द्वारा अभिनीत ही समझी जावेगी, तब उसका व्यवसाय करना व्यवसाय की श्रेणी का अंग होगा। कलाकारों के वर्ग में ऐसे कितने कलाकार होंगे, जो इस कला की कसौटी पर खरे उत्तरेंगे? कला की उपासना में जिन्होने जीवन-यापन कर दिया है, उन्होंने उस कला की परम सिद्धि भी सुलभता से प्राप्त की है और जो कला को साध्य के लिए साधन बनाये वह कला आगे कलाकार को साध्य और साधन से हीन-कलाहीन कर देती है।

मैं अपने आसपास के संसार को, सांसारिक लोगो की बात करना चाहूँगा जो अपनी विधा में कला से पूर्ण अच्छे कलाकार बन सकते थे किन्तु वे अपने अन्दर के कलाकार को खुद ही सम्मान न दे सके और अपने भीतर की कला को बाहर दुनिया के सामने रखने का साहस न कर सके। परिणामस्वरूप वे पूर्णता से वंचित रहे और वे आज भी इस बात का आंकलन करने को तैयार नही की वे असल क्या हो सकते थे और क्या होकर रह गए। दुनिया में जब से पत्रकारिता व्यावसायिक हो गई तब से हर ऐरा-गेरा पत्रकार होने की दौड़ में शामिल हो गया जो सिर्फ पत्रकार को मिलने वाले सत्कार का भूखा है, भले पत्रकारिता के दायित्व का वह तिरस्कार कर रहा हो किन्तु आपको यह सब वह आभास नही होने देना चाहता है। पत्रकारिता एक उत्कृष्ट कला है किन्तु नाक कटाने वाले शूर्पणखा के अनुयायी जब से इस कला का नेतृत्व करने लगे तब से सच शूर्पणखा की नाक कान की तरह गायब हो गया और जो शूर्पणखा झूठ को सच बताकर लंका जैसे साम्राज्य को उखड़वाकर समाप्त करने में कामयाब हो जाती है वैसे ही अब सच अँधेरे में गुम गया और झूठ प्रतिष्ठित हो गया है,यह पत्रकारिता कला का विद्रूपतापूर्ण चेहरा नही तो और क्या है?

मेरा मानना है कि सम्पूर्ण सृष्टि के निर्माण में कला सर्वोपरि है इसलिए इन्सान को इस सृष्टि से कला सहज ही प्राप्त हो सकी है। जीवन में हर व्यक्ति सफलता के कदमों में खुद को खड़ा करता है ताकि सफलता मातृत्व के रूप में उसे अपनी गोद में बैठाकर आकाश की ऊँचाइयों का आभास कराये और वह खुद को प्रगति के शिखर पर विराजमान देख जीवन को सफल और सार्थक समझ सके। यह सफलता और असफलता एक कला ही है जिसमें सफलता को पाने के लिए लगन ,मेहनत और परिश्रम आवश्यक है जबकि असफलता के लिए कुछ भी आवश्यक नहीं, बस कर्महीन हो जाइए असफलता तुम्हारी गोद में होगी । जीवन में कला ही जो मनुष्य की सात्विकता, और पशु की पाशविकता में अंतर करती है? कला जीवन में अपूर्णता, एवं वेग प्रदान करती है, और कला-विहीन जीवन नीरस हो जाता है। जब आपके भीतर की कला प्रेरणा जाग्रत करती है तब आप एक कुशल कलाकार की भांति अपनी कला से वैभव विलासिता की और अग्रसर हो जाते हो, संभवतया कला के नाम पर आप अपने को असली कलाकार साबित करने के लिए अपनी कला की दुकान सजा ले? सच तो यह है की आज हर कला में पारंगत होने वाला व्यक्ति अपने को एक महान सृष्टा साबित करने की हौड में शामिल है और वह समाज में प्रचार प्रसार कर अपनी अपनी दुकानों को सजाने लगा है। बाजारवाद की संस्कृति हर महानगर, नगर, गाँव की गलियों में कुकुरमुत्ते की तरह फैल चुकी है । मूर्धन्य कलाकार की बात छोडिये नौसिखिये भी अपने को महान सृष्टा बताने के साथ कला/विधा की सृष्टि का स्वतंत्र आत्मनिर्भर सम्प्राट बताकर ठगी ही नहीं लुटने से बाज नहीं आ रहे है। धन का दारिद्रय कोई भी भोगना नहीं चाहता है, आप पर आये शारीरिक-मानसिक संकट को करने के नाम पर ये कलाबाज जो डाक्टर, वकील, पुलिस, पटवारी कोई भी कलाकार के रूप में आपका सर्वस्य लूटकर भीख मांगने को विवश कर दें यह इनकी अपनी प्रतिभा है जिससे कोई भी टकराना नहीं चाहता है। यह भी देखा गया है की 64 कलाओं में इन लुटेरी कलाओं के बीच वाद-विवाद भी संभव है किन्तु जो सच में कुशल कलाकार होता है वह कला की उदात्त भावना की शपथ देकर वाद विवादों को मयार्दा की सीमारेखा से बाँध देता है भले ही इस कलाकार ने कला का शील और सात्विकता का आँचल उतार फैक उसे नग्न कर दिया हो किन्तु लज्जाशील आँखवाले इसे दुर्भाग्य समझ चुपचाप रहते है।

शील और मयार्दा सबकी होती है चाहे वह कला हो या कलाकार हो। इनका मान भी होता है और सम्मान भी होता है। युग युगांतर के साक्ष्य बोलते है कि अतीतकाल के कला शिल्पियो ने एकांत में भी कला की मयार्दा का पूरा मान रखा है। किंतु आज की पीढ़ी खुद आगे आकर जिस तरह कला के चीरहरण के बाद उसकी नग्नता का सौदा कर अनैतिकता के दलदल में धसी पड़ी है. वैसा कभी नहीं हुआ है। जहा अतीत में कला के 64 रूपों में सभी रूपों का 'अनिर्वचनीय आदर्श स्थापित है वहीं आज यह यथार्थ में नग्न रूप में ग्रहण की जाने लगी है,स्पष्ट है कला कलाकार के द्वारा लज्जित हो ऐसा नहीं वह छदमवेशधारी लोभियों के लोभपिपाशा का साध्य बन चुकी है। सारी दुनिया के लोग कलाकार है और जहा पूरे जीवन वे जो करते है वह वास्तव में अभिनय है और जगत उनके लिए रंगमंच है। मन जो चाहता था जीवन में वह पात्रता उपलब्ध न करने का 80 प्रतिशत लोग भुक्तभोगी है इसलिए वे मन से परे थोपी गई कला में आधे अधूरे जीने को विवश है इसलिए उनके जीवन में कला अभिश्रप्त हो गई वे मानसिक क्लेश और कलुषितता के शिकार होकर रह गए। ऐसे जगत के भावनाशून्य आधेअधूरे लोग न कला की कद्र कर सके और न ही अपनी आत्मा के कलाकार को जी सके? भाव और भावना में भ्रष्ट हुए ये पवित्रता को उसके सात्विक रूप में सुलभ हो ही नहीं सकते है, इसलिए इनकी भ्रष्ट दूषित सोच और दृष्टि ने कला को विक्षिप्त रूपों में दिखाना शुरू किया है जो हम आँख बंद कर देख रहे है किन्तु विरोध करने की हमारी क्षमता को बिसरा चुके है।

भारत का मस्तक अजंता-खजुराहों की कला का आदर कर गर्व से विश्व के समक्ष तनकर खड़ा हो तब हम और आप अपनी-अपनी विधायो-कलाओं में आधुनिक तथ्यो के समवेत अपनी-घृणा,अपनी-निम्नतम सोच,अपने विषैले विकारों के द्वारा यदि किसी की बातें तज्जा से ऊपर न उठ सके तो यह वैचारिक अंतर किस प्रकार आभार व्यक्त कर सकेगा, यह चिंतनीय प्रश्न है? काश कलाकार के रूप में हम और आप कला को तौल पाते? कलाकार के रूप में हमारा धर्म है कला की रसात्मा के अंतस में रहनेवाली प्रभुता का साक्षात्कार सभी को करवाते। कला का रूप सात्विक होना चाहिए जिसमें लेशमात्र भी असत्य की मलिनता या मिथ्याचार न हो, कला को पाप की छाया का स्पर्श भी नही होना चाहिए। कला गंगा की तरह पवित्र और विशाल हो और कलाकार नर्मदा की तरह पूण्यसलिल झ्विमल हो।

महंगाई का बम: तेल से रसोई तक आम आदमी बेहाल

-विक्रम दयाल

-विक्रम दयाल

फूटने वाला है महंगाई का बम, आम आदमी का निकलेगा दम – सड़कों पर लगने वाला ये नारा अब अखबारों की सुर्खियों और घरों की हकीकत बन गया है। मिडिल-ईस्ट में बढ़े तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने देश में महंगाई को ऐसे स्तर पर पहुंचा दिया है जहां रसोई से लेकर रोजगार तक सब प्रभावित है। *तेल बना सबसे बड़ी वजह *महंगाई की मौजूदा लहर की शुरूआत कच्चे तेल से हुई। होर्मुज जलडमरूमध्य पर संकट के कारण क्रूड 100 से 120 डॉलर प्रति बैरल के बीच झूल रहा है। भारत अपनी जरूरत का 85% तेल आयात करता है, इसलिए असर सीधा पड़ा। प्रीमियम पेट्रोल के दाम 2.35 रुपये तक बढ़ चुके हैं। डीजल महंगा होने से मालभाड़ा बढ़ा और सब्जी, दूध, अनाज सबकी कीमतों में आग लग गई। विशेषज्ञों के मुताबिक होर्मुज मार्ग बाधित हुआ तो भारत का आयात बिल 15 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है। इसी के साथ डॉलर के मुकाबले रुपया 93.71 के स्तर तक फिसल गया, जिससे इलेक्ट्रॉनिक्स, स्टील, सीमेंट और केमिकल का आयात भी महंगा हो गया फैक्ट्रियों पर ताला, मजदूर बेरोजगार महंगाई की मार सिर्फ खरीदार पर नहीं, उत्पादक पर भी पड़ी है। प्रयागराज में पानी की बोतल बनाने वाले कई प्लांट बंद होने की कगार पर हैं। प्लास्टिक का कच्चा माल जो पहले 114 रुपये/किलो था, अब 175 रुपये हो गया है। बोतल का ढक्कन 20 पैसे से बढ़कर 40 पैसे का हो गया। नतीजाः 75 रुपये में बिकने वाली पानी की पेटी 95 रुपये में भी ग्राहक नहीं खरीद रहा। प्लांट मालिकों का कहना है कि पिछले एक सप्ताह से उत्पादन ठप है। मजदूर खाली बैठे हैं, लेकिन बिजली का बिल और कर्ज की किश्त हर महीने देनी पड़ रही है। ऑटो और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में कोटिंग केमिकल 30-40% महंगा होने से उत्पादन लागत बढ़ी है। कई कंपनियों ने उत्पादन घटाने के साथ छंटनी शुरू कर दी है। शादी से स्कूल तक महंगा हुआ जीवन कपड़ा उद्योग भी चपेट में है। बुरहानपुर और कोल्हापुर में यार्न 10 रुपये तक महंगा हुआ है। व्यापारियों के अनुसार अप्रैल-जुलाई के विवाह सीजन के लिए अब 15-20% ज्यादा दाम देकर कपड़े बुक करने पड़ रहे हैं। आम परिवार का मासिक बजट बिगड़ गया है। राशन, स्कूल फीस, दवाई और ईंधन – हर मद में खर्च बढ़ा है जबकि आय स्थिर है। अल नीनो के असर से खाद्य महंगाई और बढ़ने की आशंका है। रइककी ताजा रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अमेरिका-ईरान संघर्ष लंबा खिंचा तो वैश्विक मंदी, महंगाई में वृद्धि और वित्तीय अस्थिरता तय है। यूक्रेन युद्ध के बाद दुनिया देख चुकी है कि खाने-ईंधन की कीमत बढ़ने से 7 करोड़ 10 लाख लोग गरीबी में चले गए थे। *आगे की राहः ब्रेकिंग पॉइंट पर अर्थव्यवस्था* अर्थशास्त्री 100 डॉलर प्रति बैरल तेल को 'ब्रेकिंग पॉइंट' मानते हैं। इसके पार जाते ही मंदी का खतरा बढ़ जाता है। महंगाई पर काबू पाने के लिए फ्ङककाे ब्याज दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं। इससे होम और कार लोन की एटकमहंगी होगी, निवेश घटेगा और रोजगार के नए अवसर कम होंगे। यूएन ने भी कहा है कि लगातार बढ़ती महंगाई से सामाजिक अशांति का जोखिम बढ़ता है। जब थाली खाली होती है तो सड़क पर आक्रोश दिखना स्वाभाविक है। *क्या हो समाधान?नीतिगत स्तरः सरकार को पेट्रोल-डीजल पर टैक्स राहत देनी होगी। जमाखोरी रोकने के लिए सख्त निगरानी जरूरी है। मनरेगा जैसे रोजगार कार्यक्रमों का बजट बढ़ाना होगा। वैश्विक स्तरः युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज हों ताकि सप्लाई चेन सामान्य हो। व्यक्तिगत स्तरः उपभोक्ताओं को फिजूलखर्ची रोकनी होगी और स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देनी होगी। महंगाई का ये बम सरहद पर नहीं फूटता। ये तब फूटता है जब बच्चा स्कूल छोड़ देता है, जब मजदूर फैक्ट्री से खाली हाथ लौटता है, जब मां राशन की लिस्ट से दाल हटा देती है। इसे डिफ्यूज करना सिर्फ आर्थिक नहीं, सामाजिक जरूरत भी है। क्योंकि अगर आम आदमी का दम निकला, तो भरोसा टूटेगा। और टूटा हुआ भरोसा किसी भी देश के लिए सबसे महंगा पड़ता है।

थॉमस कुक इंडिया ने प्रीपेड फॉरेक्स कार्ड पोर्टफोलियो को बढ़ाकर 28 मुद्राओं तक पहुंचाया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत की अग्रणी ओम्नीचैनल विदेशी मुद्रा सेवा प्रदाता कंपनी थॉमस कुक (इंडिया) लिमिटेड ने अपने प्रीपेड फॉरेक्स कार्ड पोर्टफोलियो का बड़ा विस्तार करते हुए अब 28 मुद्राओं को शामिल करने की घोषणा की है। 16 नई वैश्विक मुद्राओं को जोड़कर कंपनी ने भारत में प्रीपेड फॉरेक्स कार्ड के लिए सबसे व्यापक मुद्रा विकल्पों में से एक उपलब्ध कराया है।

नई जोड़ी गई मुद्राओं में चीनी युआन, स्वीडिश क्रोना, वियतनामी डोंग, मलेशियाई रिंगिट, इंडोनेशियाई रुपिया, डेनिश क्रोन, हांगकांग डॉलर, कतरी रियाल, नॉर्वेजियन क्रोन, ओमानी रियाल, कुवैती दीनार, बहरीन दीनार, बांग्लादेशी टका, दक्षिण अफ्रीकी रैंड, दक्षिण कोरियाई वॉन और फिलीपीन पेसो शामिल हैं। ये कंपनी की मौजूदा 12 मुद्राओं—अमेरिकी डॉलर, ब्रिटिश पाउंड, यूरो, जापानी येन, सिंगापुर डॉलर, ऑस्ट्रेलियाई डॉलर, कैनेडियन डॉलर, स्विस फ्रैंक, यूएई दिरहम, थाई बाथ, सऊदी रियाल और न्यूजीलैंड डॉलर—को पूरक बनाती हैं।

इस विस्तारित प्रीपेड फॉरेक्स कार्ड के जरिए भारतीय यात्री स्थानीय मुद्रा में सीधे भुगतान कर सकते हैं, जिससे बार-बार मुद्रा रूपांतरण की जरूरत खत्म होती है और लेनदेन अधिक पारदर्शी, किफायती और सुरक्षित बनता है। एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और अन्य उभरते एवं शॉर्ट-हॉल अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों की ओर भारतीय यात्रियों की बढ़ती रुचि को देखते हुए, यह नया मुद्रा पोर्टफोलियो उन स्थानीय मुद्राओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित करता है जो सामान्यतः आसानी से उपलब्ध नहीं होतीं।

वीजा और मास्टरकार्ड दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध ये कार्ड थॉमस कुक इंडिया के ओम्नीचैनल नेटवर्क—रिटेल आउटलेट्स, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स, ब्लिंकिट और व्हाट्सऐप पर फॉरेक्स सेवाओं—के माध्यम से खरीदे और लोड किए जा सकते हैं। यह कंपनी के डिजिटल-फर्स्ट, सुरक्षित और सहज अंतरराष्ट्रीय भुगतान समाधान प्रदान करने के फोकस को और मजबूत करता है। थॉमस कुक (इंडिया) लिमिटेड के चीफ बिजनेस ऑफिसर झ फॉरेन एक्सचेंज, श्री दीपेश वर्मा ने कहा, ह्थॉमस कुक इंडिया में हम नया परिवर्तन और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण को अपनी सेवाओं का मूल मानते हैं। एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और अन्य उभरते एवं छोटी दूरी गंतव्यों की ओर भारतीय यात्रियों की मांग में लगातार मजबूत वृद्धि देखने को मिल रही है। हमारे प्रीपेड फॉरेक्स कार्ड्स को 28 मुद्राओं तक विस्तारित करना बदलते ट्रैवल पैटर्न्स के अनुरूप एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे हमारे ग्राहक स्थानीय मुद्राओं में सहजता से लेनदेन कर सकें और अधिक पारदर्शिता व किफायत का लाभ उठा सकें। इसके साथ ही, यह पहल फॉरेक्स उपयोग में डिजिटल-फर्स्ट दृष्टिकोण को बढ़ावा देने की हमारी रणनीति के अनुरूप है—जहां हम नकद से हटकर सुरक्षित और स्मार्ट प्रीपेड समाधान अपनाने पर जोर दे रहे हैं। ब्लिंकिट के साथ हमारी साझेदारी के जरिए हमने सुविधा को और बढ़ाया है, जिससे ग्राहक एक घंटे के भीतर अपने प्रीपेड कार्ड पर फॉरेक्स खरीद और लोड कर सकते हैं—जो आज के डिजिटल रूप से सक्षम और वैश्विक स्तर पर यात्रा करने वाले भारतीय यात्रियों के लिए गति, लचीलापन और सहजता प्रदान करता है।

'अब जाग चुका है हिंदू समाज', भोजशाला पर कोर्ट के फैसले का साध्वी त्रिकाल भवंता ने किया स्वागत

नासिक। साध्वी त्रिकाल भवंता (अनिता शर्मा) ने भोजशाला मामले पर अदालत के फैसले का स्वागत किया और कुंभ मेले की व्यवस्थाओं को लेकर अपने विचार शेयर किए, जिसमें महिला अखाड़ों की भागीदारी से जुड़ी मांगें भी शामिल थीं। उन्होंने कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि हम कोर्ट के निर्णय का स्वागत करते हैं, क्योंकि हिंदू धर्म को बहुत पहले से राजनीति और कई विभिन्न रास्तों के तहत दबाया गया है और अब जो भी हो रहा है, उससे हिंदू जाग गया है। साथ ही, अपने अधिकारों और जहां भी मंदिर, यज्ञशाला, आश्रम, परी अखाड़ा और पंचभूत अखाड़ा हैं, सब लोग मिलकर हमारे सनातन धर्म की रक्षा करेंगे। अपने अधिकार को पाने के लिए हमारा अखाड़ा हर तरह के संघर्ष करेगा। हम सरकार से ऐसी मांग करते हैं कि जो मिला, उसका संरक्षण करना चाहिए।

नासिक और त्र्यंबकेश्वर (महाराष्ट्र) में कुंभ मेला आयोजित होने जा रहा है, जिसकी शुरूआत 31 अक्टूबर 2026 से होगी। साध्वी त्रिकाल भवंता ने आगामी कुंभ मेले को लेकर कहा कि आद्य जगतगुरु शंकराचार्य, त्रिकाल भवंत सरस्वती जी महाराज (जो गायत्री त्रिवेणी प्रयाग पीठ की पीठाधीश्वर और परी अखाड़े की प्रमुख हैं) के सानिध्य में कुंभ मेले की तैयारियां जोरो-शोरों से चल रही हैं। नासिक त्र्यंबकेश्वर में अगला सिंहस्थ कुंभ मेला साल 2027-28 में होने वाला है। इसकी शुरूआत और तैयारियों के तहत 31 अक्टूबर 2026 को ध्वजारोहण किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि परी अखाड़ा के बाद श्री पंचभूत अखाड़ा (जो पूरी तरह से महिलाओं के काम करता है) पूरी तरह से तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह सभी लोग एक मिशन के तहत कार्य करने के लिए तैयार हैं। साध्वी त्रिकाल भवंता ने प्रशासन से महिला साधवियों की सुविधा के लिए मांग करते हुए कहा कि इस कुंभ में हमारी प्रशासन, सीएम, माननीय रेल मंत्री और अधिकारियों से मांग है कि महिलाओं की साधवियों को पूरी तरह सुरक्षा सुविधा और अमृत स्नान की व्यवस्था करवाई जाए, जिससे हमारी देश-विदेश से साध्वी पदाधिकारी महामंडलेश्वर जगतगुरु भयमुक्त होकर अपनी साधना पूजा कर सकें।

सुपौल के सिमराही बाजार में ई-मेडिक्स स्मार्ट फामेर्सी की नई शाखा का शुभारंभ

मुंबई/सुपौल। सुपौल जिले के सिमराही बाजार में ई-मेडिक्स स्मार्ट फामेर्सी के नए स्टोर का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि श्री नितेश कुमार सिंह (विधायक, कसबा विधानसभा क्षेत्र) ने फीता काटकर स्टोर का शुभारंभ किया और इसे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में सराहनीय पहल बताया। फ्रेंचाइजी ओनर श्रीमती स्नेहा कुमारी ने कहा कि इस स्टोर के माध्यम से लोगों को अब ब्रांडेड और गुणवत्तापूर्ण दवाइयाँ उचित मूल्य पर उपलब्ध होंगी, साथ ही ग्राहकों को बेहतर और भरोसेमंद सेवा का लाभ मिलेगा।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉ. रणधीर कुमार राही, विकास कुमार, सूर्य नारायण यादव (पूर्व प्रमुख, किशनपुर), रामअवतार यादव, रवि शंकर सिंह, बबलू यादव एवं प्रदीप भगत उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने ई-मेडिक्स की आधुनिक और पारदर्शी फामेर्सी व्यवस्था की सराहना की।

ई-मेडिक्स की ओर से वकार सिद्दीकी (जनरल मैनेजर), अमनदीप कुमार (ऑपरेशंस मैनेजर) एवं रवि रंजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर जीएम वकार सिद्दीकी ने कहा कि इस स्टोर के माध्यम से क्षेत्र के लोगों की ब्रांडेड और प्रमाणित दवाइयों के लिए दरभंगा और पटना पर निर्भरता अब काफी हद तक समाप्त होगी।

अब लोगों को गुणवत्तापूर्ण दवाइयाँ अपने ही क्षेत्र में उचित मूल्य और बेहतर सेवा के साथ उपलब्ध हो सकेंगी।

एक्सपायर खाद्य पदार्थ बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 27 लाख का माल जब्त

कल्याण (उत्तरशक्ति)। एक्सपायर हो चुके खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वाले एक गिरोह का कल्याण क्राइम ब्रांच ने भंडाफोड़ करते हुए लगभग 27 लाख रुपये का माल जब्त किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने आरोपी अब्दुलकरीम खान और बीरबल यादव को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच के सहायक पुलिस निरीक्षक सजेर्राव पाटील को मिली गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने कल्याण के पुराने मछली बाजार स्थित हिना मिनी बाजार नामक दुकान पर छापा मारा। जांच के दौरान पता चला कि दुकान में मोसैक वेलनेस कंपनी द्वारा बनाए गए कई फूड प्रोडक्ट्स की एक्सपायरी डेट

कल्याण क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

समाप्त हो चुकी थी।

आरोपियों द्वारा इन प्रोडक्ट्स पर लगी पुरानी एक्सपायरी डेट का स्टिकर हटाकर फर्जी तारीख वाला नया लेबल लगाया जा रहा था, ताकि इन्हें दोबारा बाजार में बेचा जा सके।

पुलिस ने दुकान मालिक अब्दुलकरीम खान को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने भिवंडी के वेंडर बीरबल यादव का नाम बताया, जिससे वह एक्सपायर हुआ माल खरीदता था।

इसके बाद पुलिस ने भिवंडी स्थित गोदाम पर छापेमारी कर भारी मात्रा में मोसैक वेलनेस कंपनी का एक्सपायर माल बरामद किया। जब्त किए गए सामान में पीनट बटर, पास्ता, चोको क्रंच सहित कई विटामिनयुक्त खाद्य पदार्थ शामिल हैं। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस गिरोह का नेटवर्क कितने बड़े स्तर पर फैला हुआ था।

13 घंटे लेट हुई स्पाइसजेट फ्लाइट, पुणे एयरपोर्ट पर दिनभर फंसे रहे 100 से ज्यादा यात्री

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे से दिल्ली जाने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट SG937 शुक्रवार को लगभग 13 घंटे की देरी से रवाना हुई। इस वजह से 100 से अधिक यात्री पूरे दिन पुणे एयरपोर्ट पर फंसे रहे। फ्लाइट को सुबह 5.55 बजे उड़ान भरनी थी और सुबह 8.30 बजे दिल्ली पहुंचना था। लेकिन यह शाम करीब 6.45 बजे रवाना हुई। यात्रियों ने एयरलाइन पर खराब प्रबंधन और स्पष्ट जानकारी न देने का आरोप लगाया। कई यात्री सुबह तड़के ही एयरपोर्ट पहुंच गए थे। स्पाइसजेट की ओर से इस मामले पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

हिंजेवाड़ी निवासी आईटी प्रोफेशनल पार्थ मेहरोत्रा सुबह 2.30 बजे एयरपोर्ट पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि बोर्डिंग से ठीक पहले फ्लाइट का समय बदलकर सुबह 9.30 बजे कर दिया गया। बाद में यात्रियों को विमान में बैठाया गया, जहां तकनीकी खराबी का हवाला दिया गया। करीब दो घंटे तक विमान में इंतजार कराने के बाद यात्रियों को अचानक उतरने के लिए कहा गया।इसके बाद फ्लाइट का समय लगातार बदलता रहा। पहले दोपहर 1 बजे, फिर 3 बजे और बाद में शाम 5 बजे उड़ान भरने की जानकारी दी गई।

दिल्ली काम या कारोबार के सिलसिले में जा रहे कुछ यात्रियों को मजबूरी में दूसरी फ्लाइट बुक करनी पड़ी। एक यात्री ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि उसने पहले टिकट पर 8,000 रुपये खर्च किए थे, लेकिन देरी से परेशान होकर रिफंड लेने का फैसला किया और दूसरी फ्लाइट के लिए 17,000 रुपये चुकाने पड़े। यात्री ने कहा कि एयरलाइंस यात्रियों को परेशान कर रही हैं और उनकी जवाबदेही तय नहीं हो रही है।

विरार पूर्व में 10 किलो गांजा के साथ युवक गिरफ्तार, एंटी-नारकोटिक्स सेल-2 की कार्रवाई

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की एंटी-नारकोटिक्स सेल-2 ने विरार पूर्व के चंदनसर, सागपाड़ा स्थित एचडीआईएल औद्योगिक एस्टेट परिसर में कार्रवाई करते हुए गांजा बेचने आए एक युवक को गिरफ्तार किया है।

14 मई 2026 को गश्त के दौरान एंटी-नारकोटिक्स सेल-2 की टीम को विरार पुलिस स्टेशन की हद में एक युवक की संदिग्ध गतिविधियां दिखाई दीं। पुलिस टीम ने चंदनसर, सागपाड़ा, विरार पूर्व स्थित एचडीआईएल औद्योगिक एस्टेट परिसर में आरोपी की घेराबंदी कर तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपी आलोक कृष्ण पांडे (21 वर्ष), निवासी वाकी पाड़ा, नायगांव पूर्व, तालुका वसई, जिला पालघर के कब्जे से 10.081 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी कीमत लगभग 5 लाख 4 हजार 50 रुपये बताई गई है। मामले में आरोपी के खिलाफ विरार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। यह कार्रवाई निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे, पुलिस उपायुक्त (अपराध) संदीप डोईफोडे तथा सहायक पुलिस आयुक्त (प्रकटीकरण) मदन बल्लाल के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई को सफल बनाने में एंटी-नारकोटिक्स सेल-2 के प्रभारी पुलिस निरीक्षक ऋषिकेश पावल, सहायक पुलिस निरीक्षक सागर शिंदे, पीएसआई सुहास कांबले तथा क्राइम ब्रांच सेल-3 और एंटी-नारकोटिक्स सेल-2 की टीम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आपदा मित्रों को किट व प्रमाणपत्र वितरित, शेष प्रशिक्षण मई के अंतिम सप्ताह में होगा आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से प्रशिक्षित आपदा मित्र स्वयंसेवकों को आपदा प्रबंधन कार्य में अधिक सक्षम बनाने के उद्देश्य से किट एवं प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके आपदा मित्रों को आवश्यक आपदा प्रबंधन सामग्री से युक्त किट तथा प्रमाणपत्र प्रदान किये गये।

कार्यक्रम में पालघर जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी विवेकानंद कदम के हाथों आपदा मित्रों को किट व प्रमाणपत्र वितरित किये गये। इस दौरान उन्होंने कहा कि आपदा के समय स्वयंसेवकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने

आपदा मित्रों से अपील की कि वे आपातकालीन परिस्थितियों में तत्परता से कार्य करते हुए समाज की सहायता के लिए हमेशा तैयार रहें। वितरित किये गये किट में दो आपदा मित्र टी-शर्ट, पानी की बोतल, हैंड ग्लव्स, लाइटर, सोलर पावर्ड बैटरी, सेफ्टी हेल्मेट, कटर, सीटी, गम बूट, फर्स्ट एड किट, रेनकोट, मच्छरदानी, लाइफ जैकेट तथा एक बैग शामिल हैं। इन सामग्रियों से आपदा के समय स्वयंसेवकों को अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करने में सहायता मिलेगी। जिला प्रशासन ने जिले में कुल 500 आपदा मित्र तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिनमें से अब तक 345 स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। शेष 155 आपदा मित्रों का प्रशिक्षण मई माह के अंतिम सप्ताह में गोवर्धन स्किल सेंटर में आयोजित किया जायेगा। आपदा मित्र प्रशिक्षण में शामिल होने के इच्छुक लोगों से जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 8237978873 व्हॉट्सऐप नंबर पर संपर्क करने की अपील की है। इस कार्यक्रम में संबंधित अधिकारी, कर्मचारी, आपदा मित्र स्वयंसेवक एवं अन्य मान्यवर उपस्थित रहे।

भिवंडी मनपा ने भाजी मार्केट में अतिक्रमण पर बडी कार्रवाई करते हुए चलाया बुलडोजर

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर के भाजी मार्केट क्षेत्र में बढ़ते अतिक्रमण और हाथगाड़ियों के कारण नागरिकों को पैदल चलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। बाजार परिसर में अत्यधिक भीड़ के चलते यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो रही थी। इसी पृष्ठभूमि में भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका के अतिक्रमण विभाग ने शुक्रवार शाम व्यस्त समय में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। प्रभाग समिति के प्रभाग अधिकारी गिरीश गोष्टेकर के नेतृत्व में मनपा की टीम ने पुराने निजामपुर पुलिस थाना के सामने तथा आसपास की सड़कों पर फल एवं सब्जी विक्रेताओं द्वारा लगाए गए अवैध ठेले, हाथगाड़ियां और अन्य

अतिक्रमणों को जेसीबी मशीन की सहायता से हटाया। कार्रवाई के दौरान पूरे बाजार क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिला। अतिक्रमण हटाने के दौरान कुछ दुकानदारों और मनपा अधिकारियों के बीच तीखी बहस भी हुई हालांकि पुलिस बंदोबस्त के बीच अभियान लगातार जारी रखा गया। मनपा की टीम ने सड़क किनारे रखी हाथगाड़ियां, अस्थायी शेड और अन्य सामान हटाकर बाजार क्षेत्र की सड़कों को खुला कराया। प्रशासन की ओर से बताया गया कि शहर के विभिन्न हिस्सों में चलाए जा रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है।

पत्रकार संजय भोकरे को पुलिस सुरक्षा देने की मांग पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने दिए तत्काल सुरक्षा के निर्देश

मुंबई/सांगली। महाराष्ट्र राज्य मराठी पत्रकार संघ के राज्य संघटक एवं दैनिक जनप्रवास के समूह संपादक संजय भोकरे की हत्या की साजिश का सांगली पुलिस द्वारा पदार्फाश किए जाने के बाद पत्रकार संगठनों में चिंता का माहौल है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से दो देसी पिस्तौल, चार जिंदा कारतूस और धारदार हथियार बरामद किए गए हैं। महाराष्ट्र राज्य मराठी पत्रकार संघ ने मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर संजय भोकरे को राज्यभर में पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की। इस दौरान उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और जलसंपदा मंत्री गिरीश महाजन से भी चर्चा की गई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि वह संजय भोकरे को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं और उन्होंने पत्रकारिता, शिक्षा तथा सामाजिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

ऐसे लोगों की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने भोकरे को तत्काल पुलिस संरक्षण देने के निर्देश जारी किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सरकार इस पूरे मामले पर गंभीरता से नजर बनाए हुए है। उन्होंने विश्वास जताया कि पुलिस जल्द ही पूरे षड्यंत्र का खुलासा करेगी। पत्रकार संघ के प्रतिनिधिमंडल में महासचिव डॉ. विश्वास आरोटे, प्रदेशाध्यक्ष निलेश सोमाणी, प्रदेश प्रसिद्धी प्रमुख नवनाथ जाधव, मंत्रालय संपर्क प्रमुख विष्णू बुरे, ब्रांड एंबेसडर संजय फुलसुंदर और सदस्य खंडूराज गायकवाड शामिल थे। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी फरवरी महीने से संजय भोकरे की रेकी कर रहे थे। प्राथमिक जांच के अनुसार अंबाबाई तालीम संस्था की जमीन हड़पने के विवाद से यह साजिश जुड़ी हुई बताई जा रही है। संजय भोकरे ने आशंका जताई है कि ह्प्लान बीह्व के तहत दोबारा हमला हो सकता है। इसे देखते हुए पत्रकार संघ ने उनकी और उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। संघ ने सरकार से मांग की है कि इस साजिश के पीछे मौजूद मुख्य सूत्रधार का पता लगाकर उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

मुंबई के ऑर्केस्ट्रा बार से लड़कियां सप्लाई करने वाली महिला एजेंट गिरफ्तार, 3 पीड़ित युवतियां रेस्क्यू

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के मीरा-भायंदर वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के जोन-1 के डीसीपी राहुल चव्हाण को गुप्त सूचना मिली थी कि मीरा रोड पूर्व स्थित नयानगर पुलिस स्टेशन की हद में एक महिला एजेंट मुंबई के ऑर्केस्ट्रा बार और डांस क्लब में काम करने वाली लड़कियों के फोटो ग्राहकों को भेजकर देह व्यापार के लिए युवतियों की सप्लाई करने वाली है।सूचना के आधार पर नयानगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अमर जगदाळे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दीपक हॉस्पिटल के सामने, पयाडे होटल के पास बोगस ग्राहक और पंच भेजकर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान एक महिला एजेंट को हिरासत में लिया गया तथा 3 पीड़ित लड़कियों को देह व्यापार के दलदल से रेस्क्यू किया गया।पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार महिला दलाल पिछले दो वर्षों से मुंबई, वसई-विरार और मीरा-भायंदर क्षेत्र में ऑर्केस्ट्रा बार और डांस क्लब में काम करने वाली युवतियों के फोटो ग्राहकों को भेजकर जिस्मफरोशी का नेटवर्क चला रही थी। पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि महिला एजेंट के अन्य साथीदार कौन हैं तथा किन-किन लॉजिंग और होटलों में लड़कियों को ग्राहकों के पास भेजा जाता था। इसके अलावा कितनी युवतियों को देह व्यापार में धकेला गया और कितने ग्राहकों को लड़कियां सप्लाई की गईं, इसकी भी विस्तृत जांच जारी है।

गिरफ्तार महिला आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 143(3) तथा पीटा एक्ट की धारा 4 और 5 के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं रेस्क्यू की गई तीनों पीड़ित लड़कियों को महिला सुधारगृह भेजने की प्रक्रिया भी नयानगर पुलिस स्टेशन द्वारा की जा रही है। यह कार्रवाई एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारियों एवं डीसीपी राहुल चव्हाण के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पीआई अमर जगदाळे, एपीआई सुधीर थोरात, पीएसआई समाधान केंगार, अख्तर शेख, एचसी योगेश घुगे, महेश खांमगळ, एचसी अभिजीत ठाकुर, डीसीपी ऑफिस जोन-1 टीम तथा नयानगर पुलिस स्टेशन की संयुक्त टीम द्वारा अंजाम दी गई।

फेमिली गैंग का फंडाफोड़ः पिता कराता था बच्चों से चोरी, दो आरोपी गिरफ्तार

कल्याण। कल्याण की महात्मा फुले पुलिस ने बच्चों से चोरी करवाने वाले बाप बेटों के गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से चोरी के कई मामलों का खुलासा किया है। एसीपी अशोक होनमाने के अनुसार 8 मई 2026 को शिकायतकर्ता आरती राजाराम ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके बच्चों के स्कूल बैग से सोने की चेन चोरी हो गई थी। इस मामले में महात्मा फुले पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी केवलस विठ्ठल भालेराव (उम्र 39 वर्ष) को 13 मई 2026 को मोहने, अंबिवली से गिरफ्तार किया।

पूछताछ में सामने आया कि वह दो नाबालिग बच्चों को चोरी के लिए उकसाता था और उनसे स्कूल बैग तथा अन्य जगहों से सोने की चेन चोरी करवाता था। आरोपी बच्चों द्वारा चोरी की गई चेन खुद बेचता था और उसकी रकम अपने पास रखता था। जांच में यह भी सामने आया कि वह पहले भी ऐसे कई अपराधों में शामिल रहा है। इस कार्रवाई में पुलिस ने एक अन्य आरोपी जीवन यादव (उम्र 40 वर्ष) को भी गिरफ्तार किया है, जो चोरी का सोना खरीदने और बेचने के काम में शामिल था। पुलिस जांच में कुल 8 मामलों का खुलासा हुआ है। इनमें 7 मंगलसूत्र, 2 चेन और 3 अंगूठियां सहित कुल 21 लाख 60 हजार रुपये के सोने के आभूषण जब्त किए गए हैं। कल्याण के डीसीपी अतुल झेंडे और एसीपी अशोक होनमाने के मार्गदर्शन में महात्मा फुले चौक पुलिस थाने की टीम ने कार्रवाई की। आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक विकास मडके कर रहे हैं।

आम आदमी की तरह फ्लाइट में बैठे फडणवीस

मुंबई। पश्चिम एशिया में तनाव के बाद उपजे संकट के बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना से पेट्रोल-डीजल बचाने की अपील की थी। इसके बाद उन्होंने अपने काफिले को कम कर दिया था। पीएम नरेंद्र मोदी की अपील के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बाइक पर नजर आए थे। बाइक राइड के बाद मुख्यमंत्री फडणवीस ने बेंगलुरु जाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की अपील का पालन करते हुए वह पुणे से इंडिगो एयरलाइंस की इकोनॉमी फ्लाइट से गए। फडणवीस की इस कदम की खूब तारीफ हो रही है।

फडणवीस के बाइक के काफिले से जाने पर कुछ आलोचना और ट्रोलिंग भी हुई लेकिन जब वह पुणे से बेंगलुरु के लिए इकोनॉमी क्लास में गए थे, तो अब उनकी तारीफ हो रही है। इकोनॉमी क्लास हवाई जहाजों, ट्रेनों या बसों में यात्रा करने का सबसे किफायती और बुनियादी श्रेणी है। यह उन यात्रियों के लिए सबसे उत्तम है जो कम खर्च में अपनी मंजिल तक पहुंचना चाहते हैं।

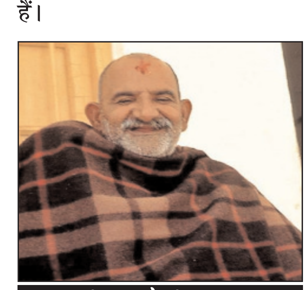

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

वायरल रील बनाने के लिए युवक ने सड़क पर किया आग का खतरनाक खेल, पुलिस ने दबोचा

मो.इमरान फारूख

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। सोशल मीडिया पर वायरल होने की सनक युवाओं को किस हद तक ले जा रही है, इसका ताजा उदाहरण आजमगढ़ में देखने को मिला। यहां एक युवक ने रील बनाने के चक्कर में सड़क पर बाइक के चारों तरफ आग लगाकर खतरनाक स्टंट किया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही पुलिस हरकत में आ गई और युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई।

बताया जा रहा है कि मामला शहर कोतवाली क्षेत्र के पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के पास का है। वायरल वीडियो में युवक सड़क के बीच बाइक खड़ी कर उसके चारों ओर आग जलाता दिखाई दे रहा है। इसके बाद वह फिल्मी अंदाज में स्टंट करता नजर आता है। इस दौरान जरा सी चूक बड़ा हादसा बन सकती थी।

वीडियो में बाइक नंबर यूपी50 डीसी 3535 दिखाई देने के बाद पुलिस ने युवक की पहचान सर्वेश्वर सोनकर निवासी डीएवी आवास के रूप में की। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक युवक सोशल मीडिया पर फेमस होने और ज्यादा लाइक्स पाने के लिए यह जानलेवा स्टंट कर रहा था।

वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए युवक को हिरासत में लिया और थाना कोतवाली में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। पुलिस अधिकारियों ने साफ कहा है कि सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह के स्टंट बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे, क्योंकि इससे आम लोगों की जान खतरे में पड़ सकती है।

स्थानीय लोगों ने भी घटना पर नाराजगी जताई है। लोगों का कहना है कि सोशल मीडिया की अंधी दौड़ में युवा अपनी जिंदगी के साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा से भी खिलवाड़ कर रहे हैं। प्रशासन ने युवाओं से अपील की है कि वे वायरल होने के लिए खतरनाक हरकतों से दूर रहें और जिम्मेदार नागरिक की तरह व्यवहार करें।

5 दिन में 4 बच्चों को दिया जन्म, नॉर्मल डिलीवरी देख डॉक्टर भी रह गए हैरान

मुरादाबाद (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के असमोली क्षेत्र की रहने वाली 31 वर्षीय

अमीना ने एक बेहद दुर्लभ मामले में मुरादाबाद स्थित Teerthanker Mahaveer University अस्पताल में पांच दिनों के भीतर चार बच्चों को जन्म दिया। खास बात यह रही कि दो बेटे और दो बेटियों का जन्म पूरी तरह सामान्य प्रसव (नॉर्मल डिलीवरी) से हुआ, जिसे डॉक्टर भी किसी चमत्कार से कम नहीं मान रहे हैं।

जानकारी के अनुसार अमीना की गर्भावस्था हाई रिस्क श्रेणी में थी, क्योंकि उनके गर्भ में चार भ्रूण पल रहे थे। आमतौर पर ऐसे मामलों में डॉक्टर सिजेरियन ऑपरेशन की सलाह देते हैं, लेकिन यहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने बेहद सावधानी और लगातार निगरानी के साथ सामान्य प्रसव कराने में सफलता हासिल की। डॉक्टरों ने शुरुआत में मां और बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए फीटल रिडक्शन की सलाह दी थी, लेकिन परिवार ने इसके लिए सहमति नहीं दी। इसके बाद अस्पताल की मेडिकल टीम ने पूरे मामले को चुनौती के रूप में लेते हुए विशेष देखरेख शुरू की।

बताया जा रहा है कि 9 मई से 14 मई के बीच अमीना ने क्रमशः चार बच्चों को जन्म दिया। फिलहाल मां और चारों नवजात स्वस्थ हैं। अस्पताल प्रशासन ने इसे अत्यंत दुर्लभ और चिकित्सा क्षेत्र की बड़ी उपलब्धि बताया है।

बेटियों के भविष्य के लिए करोड़ों की संपत्ति कर गए नाम

◆ अब सामने आ रही प्रतीक यादव की वसीयत की कहानी

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। समाजवादी परिवार से जुड़े दिवंगत प्रतीक यादव को लेकर एक बड़ा खुलासा चर्चा में है। बताया जा रहा है कि पारिवारिक विवादों के बाद उन्होंने अपनी करोड़ों की संपत्ति अपनी दोनों मासूम बेटियों के नाम कर दी थी। अब उनकी वसीयत को लेकर कई अहम बातें सामने आ रही हैं, जिससे राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में हलचल बढ़ गई है।

सूत्रों के मुताबिक प्रतीक यादव ने अपनी वसीयत में लखनऊ की लगभग 22 बीघा कृषि भूमि, कैंट क्षेत्र की एक आलीशान इमारत और कई रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स को अपनी बेटियों के नाम दर्ज किया था। इतना ही नहीं, वसीयत में एक सख्त शर्त भी रखी गई कि अगले 27 वर्षों तक इस संपत्ति को न तो बेचा जा सकेगा और न ही किसी दूसरे के नाम ट्रांसफर किया जा सकेगा।

करीबी लोगों का कहना है कि प्रतीक यादव अपनी बेटियों के भविष्य को लेकर बेहद गंभीर थे और उन्होंने यह फैसला पूरी सोच-समझ के साथ लिया था। चर्चा यह भी है कि उन्होंने आने वाले समय की परिस्थितियों को पहले ही भांप लिया था। हालांकि इन दावों की अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

सोशल मीडिया पर लोग प्रतीक यादव को एक जिम्मेदार पिता और संवेदनशील इंसान बताते हुए भावुक प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कई लोग लिख रहे हैं कि 'एक पिता अपनी बेटियों के लिए सबसे बड़ा सुरक्षा कवच बनकर गया।'

फिलहाल परिवार की ओर से इस पूरे मामले पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन वसीयत को लेकर उठ रही चर्चाओं ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

संपूर्ण समाधान दिवस में उमड़ी फरियादियों की भीड़, डीएम ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील सदर स्थित कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने आमजन की समस्याएं सुनीं और

अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण करते हुए उन्होंने योजनाओं की जानकारी हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोर दिया।

समाधान दिवस में बेसिक शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, महिला एवं बाल विकास, कृषि, उद्योग, सहकारिता, पशुपालन, मत्स्य, श्रम सहित विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। कई पात्र लाभार्थियों के आवेदन भी मौके पर स्वीकार किए गए।

उद्योग विभाग द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के तहत चार आवेदन पंजीकृत किए गए। वहीं श्रम विभाग ने पंजीकृत श्रमिकों को श्रमिक कार्ड प्रमाण पत्र वितरित किए। जिलाधिकारी ने किसानों को पौधे भी वितरित किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने विभागीय स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

जनसुनवाई के दौरान जमीन विवाद, अवैध निर्माण, विद्युत एवं राजस्व से संबंधित शिकायतें सामने आईं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी शिकायत को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 81 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 14 मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि जनसुनवाई, आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने सभी कार्यालयों में साफ-सफाई, पेयजल, बैठने की व्यवस्था, शौचालय एवं सीसीटीवी कैमरों को सुचारु रखने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों और कर्मचारियों को समय से कार्यालय पहुंचने तथा फरियादियों के साथ शालीन व्यवहार करने की हिदायत दी।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता, उप जिलाधिकारी, तहसीलदार समेत कई अधिकारी एवं बड़ी संख्या में फरियादी उपस्थित रहे।

जहरीले सांप के काटने से वृद्ध महिला की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जहरीले सांप के काटने से एक वृद्ध महिला की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार पड़ोसी जनपद आजमगढ़ के पवई थाना क्षेत्र स्थित बाबरिया गांव निवासी कल्पा देवी (60) पत्नी अच्छे लाल शनिवार सुबह अपने घर के अंदर बैठी थीं। इसी दौरान अचानक जहरीले सांप ने उन्हें डंस लिया। सांप के काटते ही उनकी तबीयत बिगड़ने लगी।

परिजन महिला को इलाज के लिए इधर-उधर लेकर गए और बाद में जिला अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वृद्ध महिला की मौत से परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

गोमती नदी में डूबने से किशोर की मौत, गांव में पसरा मातम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के जमैथा गांव में शनिवार सुबह गोमती नदी में नहाने गए एक 13 वर्षीय किशोर की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, वहीं गांव में शोक की लहर दौड़ गई। बताया जा रहा है कि आयुष निषाद अपने दोस्तों के साथ सुबह गोमती नदी में नहाने गया था। इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। साथ मौजूद बच्चों ने शोर मचाया तो आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किशोर की तलाश शुरू की। करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद स्थानीय लोगों ने आयुष को नदी से बाहर निकाला। गंभीर हालत में उसे तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस को अवगत कराया गया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। किशोर की असमय मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जिला सेवायोजन कार्यालय, कैम्पस में 18 मई 2026 को होगा रोजगार मेला का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला सेवायोजन अधिकारी ने अवगत कराया है कि निदेशक, सेवायोजन उ०प्र० लखनऊ एवं जिलाधिकारी महोदय के निर्देश के कम में जिला सेवायोजन कार्यालय परिसर निकट नारायण नर्सिंग होम जौनपुर में दिनांक 18 मई 2026 को प्रातः 10:00 बजे से रोजगार मेला का आयोजन किया गया हैं। जिसमें निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग किया जाना प्रस्तावित है, शैक्षिक योग्यताः-हाईस्कूल, इंटर, आई०टी०आई०, पॉलीटेक्निक, डिप्लोमा एवं स्नातक उत्तीर्ण, 18 से 45 वर्ष के प्रतिभाग कर सकते हैं। जिसमें अभ्यर्थी अपने योग्यतानुसार प्रतिभाग करते हुए विभिन्न पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सकते है। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति आईडी प्रूफ बायोडाटा सहित वेब पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in के माध्यम से पंजीकरण कर लाभान्वित हो सकते है।

आईपीएमएस (इंटिग्रेटेड पेस्टीसाइडस मैनेजमेंट सिस्टम) पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने अपर कृषि निदेशक (कृषि रक्षा) कृषि भवन उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देश के क्रम में अवगत कराया है कि समस्त कीटनाशी विक्रेताओ (पेस्ट कंट्रोल, हाउस होल्ड. विनिमार्ता/थोक एवं फुटकर विक्रेता सहित) को आईपीएमएस पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना अनिवार्य है, जिन विक्रेताओं द्वारा आईपीएमएस पोर्टल पर अपना पंजीकरण नहीं कराया जायेगा, उनकी कीटनाशी अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) तत्काल निरस्त किये जाने हेतु निर्देश दिए गए है। कृषि रक्षा अधिकारी की ओर से जनपद के सभी कीटनाशी विक्रेताओं को पंजीकरण कराने के लिए लगातार हिदायत दी जा रही है कि समय सीमा समाप्त होने के बाद अपंजीकृत विक्रेताओं का लाइसेंस निरस्त कर दिया जायेगा। आईपीएमएस पोर्टल पर विक्रेताओं का पंजीकरण अनिवार्य रूप से 30 अप्रैल तक किया जाना था जबकि आज तक केवल 345 कीट नाशक विक्रेताओं द्वारा ही आईपीएमएस पोर्टल पर पंजीकरण कराया गया है। अवशेष 178 कीटनाशक विक्रेताओं द्वारा अभी तक आईपीएमएस पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराया गया है वे लोग तत्काल 2 दिवस के अन्दर आईपीएमएस पोर्टल पर अपना पंजीकरण अवश्य कर ले। यदि समय सीमा में पंजीकरण नहीं कराया गया तो सम्बंधित विक्रेताओं का कीटनाशी प्राधिकार पत्र स्थाई रूप से निरस्त कर दिया जाएगा, जिसके लिए आप स्वयं उत्तरदायी होंगे।

जफराबाद में चिकन पॉक्स के 32 मरीज मिलने से हड़कंप, प्रशासन ने शुरू किया विशेष अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद नगर पंचायत क्षेत्र के नासही मोहल्ले की दलित बस्ती में 32 चिकन पॉक्स के मरीज मिलने के बाद प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट हो गया है। संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए नगर पंचायत द्वारा विशेष साफ-सफाई और दवा छिड़काव अभियान चलाया जा रहा है। चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. सरफराज खान की निगरानी में प्रभावित इलाके में व्यापक स्तर पर सफाई कराई जा रही है। वहीं स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉ. धर्मेश कुमार अपनी टीम के साथ मरीजों की निगरानी और स्वास्थ्य सेवाओं में जुटे हुए हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष उम्मे रहिला और अधिशासी अधिकारी विजय कुमार ने पूरे नगर में सुबह-शाम नियमित सफाई कराने के निर्देश दिए हैं। सभी वार्डों में दवा छिड़काव के साथ लोगों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक भी किया जा रहा है। शुक्रवार को दो दर्जन से अधिक सफाई कर्मियों ने प्रभावित बस्ती में पहुंचकर घर-घर दवा का छिड़काव किया और आसपास की गंदगी साफ की। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और बीमारी के लक्षण दिखने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की अपील की है।

शादी के 16वें दिन दुल्हन फरार, कैश और ज्वेलरी लेकर हुई गायब

मुजफ्फरपुर (उत्तरशक्ति)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में शादी के महज 16 दिन बाद दुल्हन के घर से फरार होने का मामला सामने आया है। आरोप है कि दुल्हन घर में रखे नकदी और कीमती जेवरात लेकर रातोंरात गायब हो गई। घटना के बाद परिवार में हड़कंप मच गया। पीड़ित दूल्हे ने बताया कि रात में दोनों साथ सोए थे, लेकिन सुबह जब उसकी नींद खुली तो पत्नी कमरे में

नहीं थी। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला। इसी दौरान घर में रखे कैश और ज्वेलरी भी गायब मिले। परिजनों ने आशंका जताई है कि दुल्हन पहले से ही किसी साजिश के तहत शादी कर घर में आई थी। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस शिकायत के आधार पर जांच में जुट गई है और दुल्हन की तलाश की जा रही है। घटना इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।

वट सावित्री व्रत पर महिलाओं ने विधि विधान से बट वृक्ष की पूजा

मुहम्मदाबाद, गाजीपुर(उत्तरशक्ति)। ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या के दिन पर्यावरण संरक्षण एवं पतिव्रत धर्म को संवर्धित करने वाले बट सावित्री व्रत नगर सहित ग्रामीण इलाकों में सुहागिन महिलाओं द्वारा बट वृक्ष की पूजा कर जगह-जगह देव मंदिरों में उत्सव पूर्वक मनाया गया। पद्म पुराण की कथा के अनुसार मद्र देश के राजा अश्वपति की पुत्री सावित्री ने तपस्वी युवक सत्यवान को अपना वर चुना। देवर्षि नारद ने बताया कि सत्यवान अल्पायु है लेकिन पतिव्रता सावित्री ने अपने तप के बल पर मृत सत्यवान के प्राणों को अपने तप के बल पर यमराज से लौटा लिया। यह घटना ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष अमावस्या के दिन घटित हुई थी तथा जिस वृक्ष के नीचे सावित्री ने सत्यवान को जीवित किया था वह अश्व पति नरेश के राज्य में एक बरगद का वृक्ष था तभी से सुहागिन महिलाएं बट वृक्ष की पूजा कर उसकी परिक्रमा करती है एवं अपने पति के दीर्घायु जीवन की कामना करती है। यह पर्व प्रकृति संरक्षण का भी संदेश देता है क्योंकि कालों के काल महाकाल जिनसे यमराज भी भयभीत रहते है भगवान महादेव शिव शंकर बट वृक्ष के नीचे निवास करते हैं। इस बट वृक्ष के नीचे देवी सावित्री ने यमराज को विवश कर अपने पति के प्राणों को लौटा लिया था।बैजलपुर स्थित सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर पर बट वृक्ष पूजन के लिए आज सुबह से ही सैकड़ो सुहागिन महिलाएं परिक्रमा कर पूजन अर्चन करती रही।

शंकराचार्य के जौनपुर आगमन पर उठी मांग, गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने हेतु सौंपा ज्ञापन

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के जौनपुर आगमन के अवसर पर हिंदुस्तान यूनाइटेड मोर्चा की ओर से गौ माता को 'राष्ट्रमाता' घोषित किए जाने की मांग को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार हैं। उन्होंने सरकार से गौ संरक्षण को और प्रभावी बनाने तथा गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग की।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने गौ सुरक्षा, भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा के संरक्षण को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। ज्ञापन सौंपने के बाद संगठन के कार्यकताओं ने शंकराचार्य जी का गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया।

इस अवसर पर हिंदुस्तान यूनाइटेड मोर्चा के अध्यक्ष आरिफ मोहम्मद खान, सभासद शाहनवाज मंजूर, अबुजर शेख, राजकुमार गुप्ता सहित संगठन के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

गेंदा फूल की खेती से बदली किसान की तकदीर, राम सहाय बने मिसाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सुईथाकला के ग्राम गैरवाह निवासी किसान राम सहाय ने पारंपरिक खेती छोड़ गेंदा फूल की खेती अपनाकर आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल पेश की है। सीमित भूमि और कम आय की समस्या से जूझ रहे राम सहाय आज क्षेत्र के सफल एवं प्रगतिशील किसानों में शामिल हो चुके हैं।

राम सहाय पहले गेहूं और धान की पारंपरिक खेती करते थे, लेकिन बढ़ती लागत और कम मुनाफे के कारण आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं हो पा रही थी। खेती में सिंचाई की समस्या और आधुनिक तकनीकों की जानकारी के अभाव से उन्हें लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

वर्ष 2025-26 में उद्यान विभाग के मार्गदर्शन में उन्होंने एससीपी (राज्य सेक्टर) योजना के तहत 0.2 हेक्टेयर भूमि पर गेंदा फूल की खेती शुरू की। विभाग द्वारा उन्हें आधुनिक खेती, पौध प्रबंधन, सिंचाई व्यवस्था और बाजार की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण दिया गया।

नई तकनीकों और बेहतर प्रबंधन के चलते उनकी फसल बेहद सफल रही।

त्योहारों, धार्मिक आयोजनों और शादी-विवाह के मौसम में गेंदा फूल की अधिक मांग का लाभ उन्हें भरपूर मिला। केवल 0.2 हेक्टेयर भूमि से उन्हें लगभग दो लाख रुपये की आय प्राप्त हुई, जबकि कुल लागत करीब 60 हजार रुपये रही। इस प्रकार उन्हें लगभग 1.40 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ।

राम सहाय की सफलता अब आसपास के किसानों के लिए प्रेरणा बन गई है। उनकी उपलब्धि से प्रभावित होकर कई किसान फूलों और उद्यानिकी फसलों की खेती की ओर रुख कर रहे हैं।

राम सहाय का कहना है कि सही जानकारी, मेहनत और सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर किसान कम भूमि में भी अच्छी आमदनी कर सकते हैं। उन्होंने किसानों से आधुनिक एवं लाभकारी खेती अपनाने की अपील की है।

सोने की बिक्री पर रोक से ज्वेलरी कारोबार पर मंडराया संकट, पीएम से हस्तक्षेप की मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्वर्ण व्यापारी एवं समाजसेवी विनीत सेठ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा देशहित में लिए गए हर फैसले का व्यापारी समाज सम्मान करता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सरकार यदि कोई विशेष कदम उठाती है, तो व्यापारी वर्ग उसका समर्थन करने के लिए तैयार है।

हालांकि विनीत सेठ ने चिंता जताई कि यदि एक वर्ष तक सोने की खपत और बिक्री पर रोक लगाई जाती है, तो इससे ज्वेलरी उद्योग से जुड़े करोड़ों लोगों की आजीविका प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस कारोबार से छोटे

कारीगर, आर्टिसन, बड़े और छोटे ज्वेलर्स, दुकानों में कार्यरत कर्मचारी तथा उनके परिवार प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से मांग की कि सरकार ऐसा व्यावहारिक और संतुलित समाधान निकाले, जिससे एक ओर राष्ट्रीय हित सुरक्षित रहे और दूसरी ओर स्वर्ण व्यवसाय से जुड़े लोगों के रोजगार और परिवारों की आर्थिक स्थिति पर संकट न आए।

विनीत सेठ ने कहा कि स्वर्ण व्यापार केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि लाखों परिवारों के जीवनयापन का प्रमुख साधन है। ऐसे में कोई भी नीति बनाते समय इस वर्ग की आर्थिक सुरक्षा और भविष्य का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

आजाद बिंद हत्याकांड में निषाद पार्टी का प्रदर्शन, आरोपियों की गिरफ्तारी की उठाई मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दुल्हा हत्याकांड में मृतक आजाद बिंद को न्याय दिलाने की मांग को लेकर शनिवार को निषाद पार्टी के कार्यकताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान पार्टी नेताओं ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए नामजद आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की।

निषाद पार्टी के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि पीड़ित परिवार को जल्द न्याय नहीं मिला तो निषाद समाज व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की मांग की।

प्रदर्शन में प्रदेश सचिव शिवराज निषाद, संगठन जिलाध्यक्ष अजय निषाद, अच्छेलाल निषाद (बाबा), रंजीत कुमार निषाद, दीपक कुमार निषाद, जय प्रकाश नारायण, कमलेश बिंद, जललेश कुमार निषाद एडवोकेट और रामजीत बिंद सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। पार्टी नेताओं ने कहा कि समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के साथ अन्याय किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जौनपुर पुलिस में पीपिंग सेरेमनी: 12 मुख्य आरक्षी चालक बने एएसआई, बैज पहनाकर किया गया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस कार्यालय में आयोजित पीपिंग सेरेमनी के दौरान जनपद में तैनात 12 मुख्य आरक्षी चालकों को पदोन्नति देकर सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) के पद पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी पुलिस कार्यालय के विवेक सिंह ने सभी पदोन्नत पुलिसकर्मियों को बैज पहनाकर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

समारोह के दौरान पुलिस अधिकारियों ने कहा कि पदोन्नति कर्मठता, अनुशासन और बेहतर कार्यशैली का परिणाम होती है। नए दायित्वों के साथ पुलिसकर्मियों से जनता की सेवा और कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने की अपेक्षा जताई गई। पदोन्नत होने वाले पुलिसकर्मियों में दिनेश कुमार यादव, साधु शरण सिंह, मंगला सिंह, महेन्द्र यादव, मनोज चौबे, राम प्रताप सिंह, बेबी लाल बघेल, योगेन्द्र प्रताप सिंह, विनोद कुमार द्विवेदी, रविशंकर तिवारी, आत्मा सिंह और सत्येन्द्र नाथ पाण्डेय शामिल रहे। इस अवसर पर मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सभी को बधाई देते हुए उनके सफल और गौरवपूर्ण कार्यकाल की कामना की।

डॉ. हेमंत सावरा वाडा में छत्रपति शिवाजी महाराज रेवेन्यू समाधान कैंप में हुए शामिल

वसई रोड। डॉ. हेमंत सावरा ने खानिवली में महाराष्ट्र सरकार द्वारा आयोजित छत्रपति शिवाजी महाराज रेवेन्यू समाधान कैंप में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने नागरिकों की विभिन्न रेवेन्यू संबंधी समस्याओं, शिकायतों और सवालों की जानकारी ली। इस समाधान कैंप का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों, किसानों, महिलाओं और छात्रों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ सरलता से उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम के दौरान प्रशासन और नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया, ताकि लोगों तक सरकारी सेवाएं अधिक प्रभावी और पारदर्शी तरीके से पहुंच सकें। यह पहल नागरिक-केंद्रित प्रशासन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

हरिॐ इंडस्ट्रीज के संचालक रामशरन विश्वकर्मा का हुआ सफल आप्रेशन

मुंबई (उत्तर शक्ति)। मुंबई गोरेगांव पूर्व स्थित सोनावाला लेन नंबर 2 हरिॐ इंडस्ट्रियल स्टेट के प्रवंधक संचालक रामशरन विश्वकर्मा का 14 मई 2026 को जोगेश्वरी में एक प्राइवेट हॉस्पिटल में अप्रेंटिस का सफल आप्रेशन हुआ बताया जाता है कि पेट में अचानक जोरदार दर्द होने पर उन्हें जोगेश्वरी स्थित रूबी अस्पताल में लाया गया , जहां डॉक्टरों के द्वारा सोनोग्राफी , एमआरआई करने पर पता चला कि पेट में अप्रेंटिस फट गया है। तत्काल आप्रेशन करना पड़ेगा । भाई श्यमशरन विश्वकर्मा, भतिजा दिनेश विश्वकर्मा, पुत्र रमेश विश्वकर्मा ने बताया कि अब उनका स्वास्थ्य ठीक है। बता दें कि रामशरन विश्वकर्मा दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के सहयोगी है। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, कांग्रेस नेता डॉ भोलानाथ चौहान, अरविंद मकवाना समाजसेवी व सेवा निवृत्त सायन अस्पताल, फूल चंद मिश्रा , पत्रकार राजेश वर्मा, पत्रकार आनंद कुमार मिश्रा सहित सभी लोगों ने उन्हें शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से कामना की है।

आक्रोशित 69000 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थी सोमवार को घेरेंगे मुख्यमंत्री आवास

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। 69000 शिक्षक भर्ती मामले में एक बार फिर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी लखनऊ में अपनी मांगो को लेकर धरना प्रदर्शन करेंगे। अभ्यर्थियों का आरोप है कि इस प्रकरण पर सरकार कोई पहल नहीं कर रही है। इसके कारण मामला लटकता जा रहा। इसकी पहली सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में सितंबर 2024 में हुई थी, उसके बाद से लगातार तारीख पर तारीख मिल रही है।

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे धनंजय गुप्ता व सुशील कश्यप ने कहा कि प्रकरण के निस्तारण के लिए सरकार की ओर से कोई पहल न करने से नाराज अभ्यर्थी अपने परिजनों के साथ 18 मई को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। विक्रम, अमित मौर्य, सुमित कुमार, राहुल मौर्या, मनोज प्रजापति व शैलेंद्र वर्मा आदि अभ्यर्थियों ने कहा कि इस मामले में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट, मुख्यमंत्री द्वारा गठित जांच समिति की रिपोर्ट और लखनऊ हाईकोर्ट डबल बेंच का फैसला सब हमारे पक्ष में है। फिर भी हमारे साथ न्याय इसलिए नहीं किया जा रहा है। अभ्यर्थियों ने कहा कि 19 मई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है। सरकार को कोर्ट में अपना पक्ष रखना है। अगर 19 मई को सरकार अपना पक्ष स्पष्ट रख देती है तो मामले का निस्तारण जल्द हो जाएगा।

तालाब में नहाने गए बालक की डूबने से मौत

लखनऊ(उत्तरशक्ति)। राजधानी लखनऊ में अवैध खनन से बने गहरे तालाब (गड्ढा) में नहाते समय डूबने से बालक की मौत हो गई। वह स्कूल से आने के बाद दोस्तों और छोटे भाई के साथ नहाने के लिए चला गया था। फिर कभी नहीं लौटा। खबर मिली तो घर में चीख पुकार मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। घटना एसजीपीजीआई कोतवाली क्षेत्र के सभाखेड़ा कल्ली पश्चिम गांव की है। गांव निवासी सफाई कर्मी राकेश कुमार के बेटे जितेंद्र कुमार (13) की डूबने से मौत हुई है। मां सुमन ने बताया कि बेटा गांव के एक निजी विद्यालय में सातवीं कक्षा का छात्र था। सुबह 11:30 बजे स्कूल से घर आया था। खाना खाने के बाद दोस्त हिमांशु, पुनीत व छोटे भाई मनीष के साथ गांव के बाहर तालाब में नहाने चला गया। छोटे भाई मनीष (11) ने बताया कि वह तालाब में किनारे की ओर नहा रहा था। उसका भाई और हिमांशु गहरे पानी में चले गए। वहां दोनों डूबने लगे। उसने पास में ही पड़ी एक लकड़ी को फेंका तो हिमांशु ने उसे पकड़ लिया। जितेंद्र लकड़ी को नहीं पकड़ पाया और डूब गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। खबर मिली तो घरवाले भी रोते बिलखते मौके पर पहुंच गए। किसी तरह तालाब से निकालकर जितेंद्र को एसजीपीजीआई की इमरजेंसी में लाया गया। वहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाल धीरेंद्र सिंह ने बताया कि आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आसपास के लोगों को कहना है कि पास में बनी टाउनशिप में कार्य हेतु यहां पर अवैध खनन काफी मात्रा में किया गया।

कंटेनर में घुसी तेज रफ्तार कार, पांच लोगों की मौत

आजमगढ़। आजमगढ़ के कंधरापुर थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के 238 माइल स्टोन के पास शनिवार दोपहर हुए भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जबकि पुलिस उनकी पहचान कर परिजनों से संपर्क करने में जुटी है। एसपी यातायात पंकज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि शनिवार दोपहर करीब ढाई बजे डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली कि गाजीपुर से लखनऊ की ओर जा रहे एक कंटेनर ट्रक में पीछे से आ रही स्विफ्ट डिजायर कार तेज रफ्तार में घुस गई। हादसा इतना भीषण था कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही थाना कंधरापुर पुलिस, क्षेत्राधिकारी नगर शुभम तोदी, सीसी टीम, फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस तत्काल घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस और बचाव दल ने काफी मशक्कत के बाद वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला। सभी घायलों को एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बाद में शवों को मोर्चरी भेज दिया गया। एसपी यातायात ने बताया कि हादसे के बाद एक्सप्रेस-वे पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात को सामान्य कराया। खबर लिखे जाने तक थाना कंधरापुर में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही मृतकों की शिनाख्त और उनके परिजनों से संपर्क स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार और असावधानी माना जा रहा है।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर जौनपुर में जागरूकता अभियान, स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को किया सतर्क

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में शुक्रवार को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया गया। इस वर्ष डेंगू दिवस की थीम डेंगू नियंत्रण के लिए जन भागीदारीः जांच करें, सफाई करें और ढकें रखी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को डेंगू के कारण, लक्षण, बचाव और समय से जांच-उपचार के प्रति जागरूक करना रहा।

स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग और नगर विकास विभाग की ओर से जिले के विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव के नेतृत्व में टीबी चिकित्सालय परिसर में जागरूकता गोष्ठी, शपथ ग्रहण, स्लोगन वाचन और पोस्टर प्रदर्शन किया गया। वहीं एएनएम प्रशिक्षण केंद्र करंजाकला में प्रशिक्षु एएनएम को डेंगू के लक्षण, बचाव और उपचार संबंधी प्रशिक्षण दिया गया।

पीएचसी करंजाकला में अधीक्षक डॉ. एस.के. जायसवाल के नेतृत्व में चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों के साथ डेंगू जागरूकता गोष्ठी आयोजित हुई। इसके अलावा डोभी, धमार्पुर, महाराजगंज, खुटहन, सिकरारा और सोंधी समेत अन्य स्वास्थ्य केंद्रों पर भी जागरूकता अभियान चलाया गया।

नगर क्षेत्र के बड़ी मस्जिद रोजार्जन, नई बाजार, नईगंज, जोगियापुर और मतापुर जैसे मोहल्लों में मलेरिया-फाइलेरिया टीमों द्वारा एंटीलार्वल स्प्रे, सोर्स रिडक्शन, पोस्टर प्रदर्शन और जनजागरूकता अभियान चलाया गया। शिक्षा विभाग की ओर से विभिन्न विद्यालयों में चित्रकला प्रतियोगिता, शपथ, वीडियो संदेश प्रसारण और ब्लैकबोर्ड लेखन जैसी गतिविधियां कराई गईं। अधिकारियों ने बताया कि डेंगू मादा एडीज मच्छर के काटने से फैलता है, जो साफ और रुके हुए पानी में पनपता है।

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की कि तेज बुखार, शरीर दर्द, आंखों में दर्द, कमजोरी या चकत्ते जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें। साथ ही घरों के आसपास पानी जमा न होने दें, टंकियों को ढककर रखें और मच्छरदानी का प्रयोग करें। विभागीय आंकड़ों के अनुसार जौनपुर डेंगू प्रभावित संवेदनशील जनपदों में शामिल है। वर्ष 2022 में 1160, वर्ष 2023 में 868, वर्ष 2024 में 625 और वर्ष 2025 में 125 डेंगू मरीज मिले थे, जबकि वर्ष 2026 में अब तक दो मामले सामने आए हैं। जिला चिकित्सालय, मेडिकल कॉलेज और सभी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर डेंगू की जांच और उपचार की निःशुल्क व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है।

होंडा एनएक्स500 स्मार्ट एडवेंचर टूरिंग के लिए ई-क्लच तकनीक से लैस

रांची (उत्तरशक्ति)। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने अपनी मिड-साइज एडवेंचर टूरिंग मोटरसाइकिल एनएक्स500 में होंडा ई-क्लच तकनीक को शामिल करने की घोषणा की। यह ई-क्लच सिस्टम स्टार्ट करने, गियर बदलने और रुकने के दौरान क्लच के जुड़ाव को अत्यंत सटीक इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रण के माध्यम से संचालित करता है, जिससे मैनुअल क्लच ऑपरेशन की आवश्यकता काफी कम हो जाती है। साथ ही, राइडर किसी भी समय इस सिस्टम को ओवरराइड भी कर सकता है। इस घोषणा पर होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के प्रेसिडेंट एवं सीईओ त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा कि ई-क्लच तकनीक से सुसज्जित होंडा एनएक्स500 भारत में शहरी और टूरिंग दोनों परिस्थितियों में आराम और नियंत्रण को और बेहतर बनाती है। यह राइडर की थकान को कम करते हुए भी उस रोमांचक और हैंड्स-ऑन राइडिंग अनुभव को बनाए रखती है, जिसके लिए होंडा मोटरसाइकिलें जानी जाती हैं।

जुचंद्रा रेलवे फ्लाईओवर का स्नेहा दुबे पंडित ने किया निरीक्षण

वसई रोड। नायगांव ईस्ट के जुचंद्रा क्षेत्र में निमार्णाधीन रेलवे फ्लाईओवर का आज भाजपा नेत्री स्नेहा दुबे पंडित ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान फ्लाईओवर परियोजना की प्रगति, निर्माण गुणवत्ता, कार्य की गति और भविष्य की योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। स्नेहा दुबे पंडित ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यह फ्लाईओवर क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ लोगों की यात्रा को सुरक्षित, तेज और सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने परियोजना को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने पर जोर दिया तथा आम नागरिकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए विकास कार्यों में तेजी लाने की बात कही। निरीक्षण के दौरान महाराष्ट्र रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के असिस्टेंट जनरल मैनेजर अनुराग ठाकुर, मैनेजर मिंटू सिंह, पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट एवं सेंट्रल रेलवे के डिप्टी इंजीनियर ठाकरे, पीडब्ल्यूडी वसई के असिस्टेंट इंजीनियर संजय यादव सहित कई अधिकारी और भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा वसई-विरार सिटी डिस्ट्रिक्ट के जनरल सेक्रेटरी बिजेंद्र कुमार, डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी प्रवीण गावड़े, वसई ईस्ट साउथ मंडल के जनरल सेक्रेटरी धरेंद्र कुलकर्णी, नितिन भोईर, मयंक शेठ, निपुण दोशी, सुनील पांडे, मयूर नाइक, देवदत्त मेहर, निनाद नाइक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

पालघर में जल जीवन मिशन की वॉटर सप्लाई योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित

वसई रोड। स्नेहा दुबे पंडित ने अपने विधायक पब्लिक रिलेशन ऑफिस, वसई वेस्ट में पालघर जिले में जल जीवन मिशन के तहत चल रही विभिन्न वॉटर सप्लाई योजनाओं को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में वसई तालुका में जलापूर्ति से जुड़े लंबित कार्यों, नागरिकों की समस्याओं और विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक के दौरान गांवों में नियमित, स्वच्छ और पर्याप्त दबाव के साथ पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपायों पर चर्चा हुई। अधिकारियों को पानी की टंकियों की स्थिति, जलवाहिनियों के रखरखाव, अधूरे सड़क पुनर्स्थापन कार्य, ग्राम पंचायतों के अंतर्गत जलापूर्ति व्यवस्था में आ रही समस्याओं तथा विभिन्न गांवों में लंबित मामलों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रशासन को जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यों में बेहतर समन्वय स्थापित करने, परियोजनाओं में तेजी लाने, नागरिकों की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करने और विकास कार्यों में अनावश्यक देरी रोकने के निर्देश भी दिए गए।

इस बैठक में जलापूर्ति विभाग एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के कई अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रभारी कार्यकारी अभियंता सुरेन्द्र ठाकरे, सचिन सोमा सुरम, ए. ए. मूले, उप अभियंता सुदर्शन जठार, जे. डी. जाधव, शहर इंजीनियर प्रज्वल भोईर सहित कई इंजीनियर और अधिकारी शामिल थे। इसके अलावा विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच, ग्राम पंचायत अधिकारी, भाजपा पदाधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी बैठक में मौजूद रहे। बैठक में प्रशासन, ग्राम पंचायत और जनप्रतिनिधियों के आपसी समन्वय से वसई तालुका के प्रत्येक गांव तक स्वच्छ और नियमित पानी पहुंचाने के संकल्प को दोहराया गया।

बच्चों ने क्रिकेट खेलने से किया मना तो दबंगों का हमला, वाहनों को तोड़ा, CCTV में कैद हुई मारपीट

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के लालपुर-पांडेपुर थाना क्षेत्र में क्रिकेट खेलने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि कुछ दबंगों ने बच्चों की जमकर पिटाई कर दी। इतना ही नहीं, बीच-बचाव करने पहुंचे स्थानीय युवकों को भी मारपीट का शिकार होना पड़ा। घटना का वीडियो आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया है, जिसके बाद इलाके में हड़कंप मचा हुआ है।

जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में कुछ बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे। इसी दौरान कुछ दबंग युवक वहां पहुंचे और बच्चों के साथ खेलने की बात कहने लगे। बच्चों ने उनके साथ खेलने से मना कर दिया, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि दबंगों ने गा गलौज करते हुए बच्चों के साथ मारपीट कर दी।

बीच-बचाव करने पहुंचे युवकों को भी पीटा बच्चों के साथ हो रही मारपीट की जानकारी मिलने पर कुछ स्थानीय युवक मौके पर पहुंचे और मामला शांत कराने की कोशिश की। आरोप है कि दबंगों ने उनके साथ भी मारपीट की। देखते ही देखते मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोग इधर-उधर भागने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दबंगों ने मारपीट के दौरान वहां खड़े कुछ वाहनों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के बाद इलाके में काफी देर तक तनाव का माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों ने किसी तरह स्थिति को संभाला।

CtrlS हैदराबाद डेटा सेंटर ने भारथक्लाउड का पहला AI-रेडी सोवरेन क्लाउड सेंटर होस्ट किया

मुंबई/हैदराबाद। भारथक्लाउड, जो भारत की एक अक्र-रेडी क्लाउड सेवा प्रदाता कंपनी है, ने CtrlS डेटासेंटर्स की हैदराबाद सुविधा में अपना पहला क्लाउड सेंटर लॉन्च किया। यह कदम भारत के सोवरेन और अक्र-रेडी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर इकोसिस्टम को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। जेएलएल , जो भारत की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रॉपर्टी कंसल्टिंग फर्म है, ने इस सौदे में भारथक्लाउड के लिए एक्सक्लूसिव एडवाइजर की भूमिका निभाई, जिसके तहत भारथक्लाउड ने अपना डेटासेंटर इकोसिस्टम स्थापित किया।

क्लाउड सेंटर का औपचारिक उद्घाटन CtrlS डेटासेंटर्स के संस्थापक एवं उएड श्रीधर पिन्नापुरेड्डी द्वारा किया गया। इस लॉन्च से यह स्पष्ट होता है कि अक वर्कलोड्स, डेटा लोकलाइजेशन और विभिन्न उद्योगों में तेजी से बढ़ते डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के कारण सुरक्षित, स्केलेबल और सोवरेन डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। CtrlSडेटासेंटर्स के संस्थापक एवं उएड श्रीधर पिन्नापुरेड्डी ने भारथक्लाउड को लॉन्च पर बधाई देते हुए कहाः भारत की अक और डिजिटल ग्रोथ की कहानी को बड़े पैमाने पर मजबूत, सुरक्षित और सोवरेन डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता होगी। CtrlS में हम इस परिवर्तन को सक्षम बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जिसके लिए हम सोवरेन अक्र-रेडी डेटा सेंटर और विश्वसनीय इन्फ्रास्ट्रक्चर इकोसिस्टम विकसित कर रहे हैं, जो एंटरप्राइजेज, सरकारों और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का समर्थन करते हैं। हम अपने हैदराबाद फैसिलिटी में भारथक्लाउड के पहले क्लाउड सेंटर के लॉन्च पर उन्हें बधाई देते हैं और उनकी ग्रोथ यात्रा के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

वट सावित्री व्रत पर काशी में उमड़ा आस्था का सैलाब, सुहागिन महिलाओं ने वट वृक्ष की पूजा कर मांगी अखंड सौभाग्य की कामना

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जेठ अमावस्या के पावन अवसर पर धर्मनगरी काशी में वट सावित्री व्रत को लेकर आस्था और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र और अखंड सौभाग्य की कामना के साथ निर्जला व्रत रखकर वट वृक्ष (बरगद) की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। सुबह से ही कचहरी, दुगार्कुंड, संकटमोचन, अस्सी और लंका क्षेत्रों में स्थित वट वृक्षों के पास महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सोलह श्रृंगार में सजी महिलाओं ने वट वृक्ष की परिक्रमा की, कच्चा सूत बांधा और सावित्री-सत्यवान की पौराणिक कथा का श्रवण किया। भीषण गर्मी के बावजूद श्रद्धा और आस्था का उत्साह कम नहीं हुआ। महिलाओं ने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हुए पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन किया। पूजन के उपरांत महिलाओं ने चना-गुड़ का प्रसाद वितरित किया और बड़ों का आशीर्वाद लिया। दिनभर काशी के विभिन्न घाटों और क्षेत्रों में धार्मिक माहौल बना रहा और वट सावित्री व्रत का पर्व पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ।

रोड नहीं तो टोल नहीं: ढेरही टोल प्लाजा पर फिर भड़का जनता का आक्रोश, बड़े आंदोलन की तैयारी!

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में आजमगढ़-वाराणसी मार्ग पर स्थित चोलापुर थाना क्षेत्र का ढेरही (दानगंज) टोल प्लाजा एक बार फिर विवादों के केंद्र में है। स्थानीय निवासियों और टोल प्रबंधन के बीच तनातनी चरम पर पहुंच गई है। सूत्रों के अनुसार, टोल का नया टेंडर वाराणसी जनपद के एक सत्ता पक्ष से जुड़े बाहुबली को मिलने के बाद नियमों में कथित तौर पर बदलाव किया गया है। सोशल मीडिया पर दावे किए जा रहे हैं कि अब किसी को छूट नहीं मिलेगी और लोकल लोगों को भी टोल देना होगा। इससे पहले क्षेत्रीय जनता को आधार कार्ड दिखाकर 16 से 20 किलोमीटर के दायरे में मुफ्त आवाजाही की सुविधा मिली हुई थी। नियमों में इस बदलाव और जबरन वसूली के आरोपों को लेकर क्षेत्रीय जनता में भारी आक्रोश है। इसी सिलसिले में पूर्वांचल किसान संगठन के नेता अजीत सिंह के नेतृत्व में एक अहम बैठक हुई। बैठक में रणनीति बनाई गई कि 'जब तक रोड नहीं, तब तक टोल नहीं' के नारे के साथ जल्द ही टोल प्लाजा को हटाने के लिए बड़ा धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। आंदोलन की तारीख और समय की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर मौत बनकर दौड़ी रफ्तार, कंटेनर में घुसी कार; पांच लोगों की दर्दनाक मौत

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर शनिवार को तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला, जहां एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा थाना कंधरापुर क्षेत्र के माइलस्टोन 238 के पास हुआ। बताया जा रहा है कि तेज गति से जा रही कार आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से जा घुसी।

टक्कर इतनी भयावह थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार पांच लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद एक्सप्रेस-वे पर अफरा-तफरी मच गई और वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात बहाल कराया। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह तेज रफ्तार और लापरवाही मानी जा रही है। पुलिस मृतकों की पहचान और आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार के खतरे को उजागर कर दिया है।